मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
01 अप्रैल, 2020

लखनऊ, 1 अप्रैल 2020 दैनिक जागरण 5

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में बीएड की आवेदन तिथि बढ़ी

लखनऊ : देशभर में लॉकडाउन के चलते उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बीएड और बीएड स्पेशल-2020 के लिए प्रवेश परीक्षा की आवेदन तिथि बढ़ा दी है। आवेदन की अंतिम तिथि 20 अप्रैल कर दी गई है। पहले यह चार अप्रैल थी। वहीं, ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 अप्रैल से बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी गई है। (जासं)

लखनऊ सिटी अमर उजाला बुधवार • 01.04.2020 lucknow.amarujala.com 5

मुक्त विवि ने बढ़ाई तिथि

लखनऊ। उत्तरप्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने बीएड और बीएड स्पेशल पाठ्यक्रम में आवेदन की अंतिम तारीख 20 अप्रैल तक बढ़ा दी है। पहले अंतिम तारीख चार अप्रैल तय की गई थी, जिसे अब बढ़ा दिया गया है। अभ्यर्थी अब 20 तक पंजीकरण और फीस चुकाने के बाद 30 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भर सकेंगे। आवेदन फॉर्म का प्रिंटआउट संबंधित अध्ययन केंद्र पर जमा करने की अंतिम तारीख अब 10 मई कर दी गई है। इससे छात्रों को सहूलियत होगी।

हिन्दुस्तान 08
लखनऊ • बुधवार • 01 अप्रैल 2020

राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने आवेदन की तिथि बढ़ाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बीएड , बीएड स्पेशल 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। लॉकडाउन के चलते यह फैसला लिया गया है। प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण और शुल्क चालान प्राप्ति /ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 4 अप्रैल से बढ़ा कर 20अप्रैल तक कर दी है। वहीं, ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 अप्रैल से बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी गई है। इसके अलावा, ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि 25अप्रैल से बढ़ा कर अब 10 मई कर दी गई है।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

04 अप्रैल, 2020

प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह
कुलपति
Prof. Kameshwar Nath Singh
Vice Chancellor

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY
Tel. : +91 532 2447028 (O)
Fax : +91 532-2447032
e-mail. : vcuprtou@yahoo.co.in
: knsinghgeo@gmail.com

अपील

विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों /प्रशासनिक अधिकारियों/ कर्मचारियों /क्षेत्रीय केन्द्र /समन्वयकों/अध्ययन केन्द्र समन्वयकों एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित सभी सामान्य नागरिकों से माननीय कुलपति प्रो0 के0 एन0 सिंह, कुलपति उत्तरप्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की अपील- ''देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के अनुरोध पर 5 अप्रैल को रात्रि 9.00 बजे मात्र 9 मिनट के लिए अपने घरों की सभी लाइटें बंद करके अपने घर के दरवाजे/छत/बालकनी, जो भी उपयुक्त स्थल हो, पर आकर दीपक, मोमबत्ती, मोबाइल की फ्लैश लाइट एवं टॉर्च आदि के माध्यम से रोशनी कर देश की सामूहिक शक्ति का एहसास करायें।

सभी क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक अपने स्थान से अखबार आदि के माध्यम से उक्त अनुरोध को जनमानस में पहुँचाने का प्रयास करें।

भवदीय

(प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह)
कुलपति

University Campus, Shantipuram (Sector-F), Phaphamau, Prayagraj-211021, U.P., India.
website : www.uprtou.ac.in

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

05 अप्रैल, 2020

मुक्तविवि परिवार ने दीप जलाकर कराया सामूहिक शक्ति का एहसास

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर दीप जलाए।

विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों /प्रशासनिक अधिकारियों/ कर्मचारियों /क्षेत्रीय केन्द्र /समन्वयकों/अध्ययन केन्द्र समन्वयकों एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित सभी सामान्य नागरिकों से माननीय कुलपति प्रो0 के0 एन0 सिंह, कुलपति उत्तरप्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की अपील- ''देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के अनुरोध पर 5 अप्रैल को रात्रि 9.00 बजे मात्र 9 मिनट के लिए अपने घरों की सभी लाइटें बंद करके अपने घर के दरवाजे/छत/बालकनी, जो भी उपयुक्त स्थल हो, पर आकर दीपक, मोमबत्ती, मोबाइल की फ्लैश लाइट एवं टॉर्च आदि के माध्यम से रोशनी कर देश की सामूहिक शक्ति का एहसास करायें।

मुक्तविवि परिवार ने दीप जलाकर कराया सामूहिक शक्ति का एहसास

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर दीप जलाए।

RNI No.-UPHIN/2012/44803 हिन्दी दैनिक Email : harbaatftp @gmail.com

हर बात

आपके साथ

वर्ष : 09 अंक : 77 फतेहपुर, मंगलवार, 07 अप्रैल, 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने दीप जलाकर सामूहिक शक्ति का एहसास कराया

हर बात संवाददाता

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अपील पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं परामर्श दाताओं ने रविवार को रात्रि 9:00 बजे अपने घर की सभी लाइटें बुझा कर घर के दरवाजे, छत एवं बालकनी पर दीपक, मोमबत्ती, टॉर्च एवं मोबाइल की फ्लैश लाइट से रोशनी कर देश की सामूहिक शक्ति का एहसास कराया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय स्थित आवासीय परिसर में विश्व विद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ दीप जलाकर रोशनी की। विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित आवासीय भवन में भी शिक्षकों एवम् कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री के अनुरोध पर दीए जलाकर सामूहिक शक्ति का एहसास कराया। सबसे ज्यादा उत्साह छोटे-छोटे बच्चों में देखने को मिला, जिन्होंने इस इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और दीए जलाकर रोशनी की। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं छात्र-छात्राओं से आगामी 14 अप्रैल के बाद लॉक डाउन खत्म करने एवं तत्संबंधी व्यवस्थाओं के संदर्भ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सभी प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव मांगे जाने के क्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव को ईमेल पर अपने सुझाव प्रेषित करने की अपील की है।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, मंगलवार, 07 अप्रैल 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

मुक्तविवि परिवार ने दीप जलाकर कराया सामूहिक शक्तिका एहसास

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अपील पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं परामर्श दाताओं ने रविवार को रात्रि 9रू00 बजे अपने घर की सभी लाइटें बुझा कर घर के दरवाजे, छत एवं बालकनी पर दीपक, मोमबत्ती, टॉर्च एवं मोबाइल की फ्लैश लाइट से रोशनी कर देश की सामूहिक शक्ति का एहसास कराया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय स्थित आवासीय परिसर में विश्व विद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ दीप जलाकर रोशनी की। विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित आवासीय भवन में भी शिक्षकों एवम् कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री के अनुरोध पर दीए जलाकर सामूहिक शक्ति का एहसास कराया। सबसे ज्यादा उत्साह छोटे–छोटे बच्चों में देखने को मिला, जिन्होंने इस इस कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और दीए जलाकर रोशनी की। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं छात्र–छात्राओं से आगामी 14 अप्रैल के बाद लॉक डाउन खत्म करने एवं तत्संबंधी व्यवस्थाओं के संदर्भ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सभी प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव मांगे जाने के क्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव को ईमेल पर अपने सुझाव प्रेषित करने की अपील की है।

UP PLUS

For advertisement Please Contact Us: UP PLUS

Breaking News State News

Open University family lighting collective lights to realize collective power

Prayagraj. On the appeal of the vice-chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Prayagraj, Professor Kameshwar Nath Singh, all the teachers, officers, staff and consultants of the university extinguished all the lights of their house on Sunday at 9:00 pm on the doors, roof and balcony of the house. He realized the collective power of the country by lighting a lamp, candle, flashlight and flash light of mobile. Vice-Chancellor Professor Singh lit a lamp in the university's residential complex with members of the Vishwa Vidyalaya family. In the residential building located on the Yamuna campus of the university, the teachers and the employees made a light of the collective power by lighting them at the request of the Prime Minister. The most enthusiasm was seen in the small children, who took part in this event and lighted the lamps. In-charge of the media, Dr. Prabhat Chandra Mishra said that in this sequence Vice Chancellor Prof. Kameshwar Nath Singh asked all the teachers, staff, officers and students of the university to end the lock down after April 14 and in connection with the arrangements related to it, the Chief Minister of Uttar Pradesh In order to ask for suggestions from all enlightened citizens, the Registrar of University Appeal to send your suggestions on Le.

इलाहाबाद मंगलवार 07 अप्रैल 2020

अमृत कलश टाइम्स

राजर्षि टंडन मुक्त विवि परिवार ने दीप जलाकर सामूहिक शक्ति का एहसास कराया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अपील पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं परामर्श दाताओं ने रविवार को रात्रि 9रू00 बजे अपने घर की सभी लाइटें बुझा कर घर के दरवाजे, छत एवं बालकनी पर दीपक, मोमबत्ती, टॉर्च एवं मोबाइल की फ्लैश लाइट से रोशनी कर देश की सामूहिक शक्ति का एहसास कराया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय स्थित आवासीय परिसर में विश्व विद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ दीप जलाकर रोशनी की। विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित आवासीय भवन में भी शिक्षकों एवम् कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री के अनुरोध पर दीए जलाकर सामूहिक शक्ति का एहसास कराया। सबसे ज्यादा उत्साह छोटे–छोटे बच्चों में देखने को मिला, जिन्होंने इस इस कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और दीए जलाकर रोशनी की। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं छात्र–छात्राओं से आगामी 14 अप्रैल के बाद लॉक डाउन खत्म करने एवं तत्संबंधी व्यवस्थाओं के संदर्भ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सभी प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव मांगे जाने के क्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव को ईमेल पर अपने सुझाव प्रेषित करने की अपील की है।

मास्कर भारतीयों का वेतन काटने के खिलाफ पेज 10 | कोरोना संकट के बीच बैंककर्मियों को आसान कर्ज पेज 11

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

03 हिन्दुस्तान | 36.6° अधिकतम | 17.8° न्यूनतम | सूर्योदय 05:49 सूर्यास्त 06:22 | प्रयागराज

पीएम नरेंद्र मोदी की अपील पर रात नौ बजते ही बदला मोहल्लों का माहौल, शहरभर में ज्योति से ज्योति जलाते गए लोग

कोरोना रूपी रावण के अंत को मनाई दीपावली

मुक्त विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने अपने आवास पर मोमबत्ती जलाई।

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in Email: thewomenexpress@gmail.com

• वर्ष 8 • अंक 44 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली सोमवार 6 अप्रैल 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

एकजुट पूरा देश, कश्मीर से कन्याकुमारी तक जलाए गए दीप

वूमेन एक्सप्रेस | कोरोना के खिलाफ एकजुट पूरा देश | www.womenexpress.in सोमवार 6 अप्रैल 2020 | 5

उत्तराखंड से राज्यसभा सांसद और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी ने अपने दिल्ली स्थित आवास पर प्रधानमंत्री जी के आव्हान पर सायं 9 बजे कोरोना महामारी के खिलाफ राष्ट्र की एकजुटता अभियान में दीप प्रज्वलित कर अपनी भागीदारी दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर दीया जलाते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव तरुण चुग

वर्ष 33 | अंक 291 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : पांच रुपये amarujala.com प्रयागराज | सोमवार, 6 अप्रैल 2020 उत्तर प्रदेश

उम्मीदों का उजाला

अमर उजाला

देशभर में रविवार को रात 9 बजे पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 9 मिनट तक दीप, मोमबत्ती और मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर लोगों ने सामूहिक चेतना और आत्मबल का प्रदर्शन किया। कहीं पटाखे छोड़े गए तो कहीं शंख, घंटे-घड़ियाल भी बजे। यह फोटो बंगलूरू की है।

मिलकर लड़ेंगे कोरोना से जंग

अमर उजाला amarujala.com 4 प्रयागराज सोमवार, 6 अप्रैल 2020

हर घर जगमग

कोरोना से लड़ाई, संगमनगरी जगमगाई

प्रधानमंत्री की अपील पर शहर में घर-घर जले दीप, मोमबत्तियां, परिवार के साथ मनाया दीप पर्व

मुक्त विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह

महंत नरेंद्र गिरि।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

कोरोना से लड़ाई | हिन्दुस्तान 04

मुविवि में अब 30 तक जमा होंगे असाइनमेंट

प्रयागराज। देशभर में कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) में मौजूदा सत्र की परीक्षाएं विलंब से शुरू होने के आसार हैं। छात्रों ने अभी तक असाइनमेंट नहीं जमा किया है। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि 15 अप्रैल तय की गई थी लेकिन लॉकडाउन लागू होने से अधिकांश छात्र-छात्राएं असाइनमेंट नहीं जमा कर सके हैं। इसलिए असाइनमेंट जमा करने की तिथि बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दिया गया है। प्रो. सिंह ने यह भी बताया कि इस साल विभिन्न पाठ्यक्रमों से तकरीबन पचास हजार छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

09 अप्रैल, 2020

प्रो०कामेश्वर नाथ सिंह
कुलपति

Prof. Kameshwar Nath Singh
Vice Chancellor

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

Tel: +91 532 2447028 (O)
Fax: +91 532 2447032
e-mail. : vcuprtou@yahoo.co.in
e-mail. : knsinghgeo@gmail.com

प्रिय सहयोगी वृन्द
शुभकामनाए

मुझे यह लिखते हुए सुखद अनुभूति हो रही है कि आप सभी के सहयोग से उत्तर प्रदेश का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय देश में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विगत वर्षो में विश्वविद्यालय को अनेक नये पाठ्यक्रम प्रदान किया है, जिसके चलते शिक्षार्थियों का आकर्षण विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ा है। राष्ट्र एवं समाज की समसामयिक चुनौतियों को देखते हुए विश्वविद्यालय ने समयानुकुल पाठ्यक्रमों को क्रियान्वित करके राष्ट्र व्यापी ख्याति अर्जित किया है। सर्व विदित है कि विगत वर्षो में नामांकन संख्या में वृद्धि एवं परीक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के साथ–साथ समय से पाठ्य सामग्री प्रेषण में विश्वविद्यालय को शत–प्रतिशत सफलता मिली है। इस अप्रत्याशित परन्तु अनिवार्य राष्ट्र व्यापी लाकडाउन में सम्पूर्ण प्रदेश में फैले हमारे छात्र वेबसाइट के माध्यम से पाठ्यसामग्री प्राप्त करने के साथ–साथ, यू–ट्यूब तथा जूम एप्प के माध्यम से शिक्षकों के व्याख्यान से लाभान्वित हो रहे हैं। इस विषम परिस्थिति में विश्वविद्यालय अपनी आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं यथा बिजली, सफाई एवं हरियाली को निरन्तर बनाये हुए है। विश्वविद्यालय के सभी परिसरों एवं कक्षों को सेनिटाइज कराया गया है। इस आकस्मिक कोविड–19 से लड़ने के लिए आप सभी नें अपने एक–एक दिन का वेतन क्रमशः प्रधानमंत्री केयर फंड तथा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में देकर प्रदेश में प्रथम दाता के रूप में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अग्रेसर की भूमिका निभाने का गौरव विश्वविद्यालय को दिया है।

मेरा यह मानना है कि लाकडाउन का यह विषम काल खण्ड अवकाश का नहीं, अपितु हम सभी के लिए चुनौती का काल खण्ड है। यह एसा काल खण्ड है, जब हम सभी अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग कर सकते है। जून 2020 की वार्षिक परीक्षा तथा बी.एड. सामान्य/विशेष की प्रवेश परीक्षा आसन्न है। सत्र 2020–21 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है, जिसकी विवरणिका तैयार हो रही है। नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के छपने का कार्य भी प्रगति पर है। इसी वर्ष हमने नैक कराने का भी संकल्प लिया है, जिसके लिए अपेक्षित सूचनाओं का संकलन भी चल रहा है। एसे समय में आप सभी की भूमिका गुरूतर है। आप सभी का सहयोग इन सभी कार्यो में अपेक्षित है। विश्वविद्यालय के द्वारा मांगी गयी सूचनाओं का अपेक्षित समय पर प्राप्त होना आवश्यक है। आप सभी से अपेक्षित है कि इस आपदु काल को अवसर समझकर जूम एप्प तथा एस.एम.एस. और व्हास्टअप आदि से अपने शिक्षार्थियों का निर्देशन जारी रखें तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा मांगी गयी सूचनाओं को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए यथा समय प्रेषित करते रहें। वांछित सूचनाओं की समय से प्राप्ति के अभाव में विश्वविद्यालय का कार्य पिछड़ सकता है। यह भी अपेक्षित है कि आप अपना व्याख्यान पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार करें, जिसकी रिकार्डिंग सामान्य स्थिति वापस होने पर हो सके। इस काल खण्ड में आगामी सत्र के लिए अपने–अपने विषय के अधिन्यास प्रश्न पत्र भी तैयार कर लें एवं विश्वविद्यालय खुलते ही उसे वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु परीक्षा नियंत्रक को प्रेषित करें। **विभिन्न विषयों में जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष हो, उसे भी लिखे ताकि विश्वविद्यालय अपनी इस काल खण्ड की उपलब्धि शासन को दे सके।** इस विषम स्थिति में विश्वविद्यालय मुख्यालय छोड़ने से पहले विश्वविद्यालय को सूचित करें एवं अपना फोन कदापि न बन्द करें।

मेरा अटूट विश्वास है कि आप सभी के सहयोग एवं समन्वय से इस लाकडाउन के काल खण्ड को अवसर समझकर स्वास्थ्य विभाग एवं शासन के निर्देशों का पालन करते हुए, हम घर बैठे आवश्यक कार्यो को सम्पादित करते हुए विश्वविद्यालय के गुणात्मक शिक्षास्तर में वांछित परिवर्तन करने में सक्षम एवं समर्थ सिद्ध होंगे।

शुभेच्छु

कामेश्वर नाथ सिंह

(प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह) 9.4.2020

University Campus, Shantipuram (Sector-F), Phaphamau, Prayagraj -211021, U.P., India.
website : www.uprtou.ac.in

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, रविवार, 12 अप्रैल, 2020

परख सच की

सूने पड़े चौपाल, खामोश हुई गलियां - 12

प्रयागराज मार्ग

लॉकडाउन में पाठ्य सामग्री को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें : कुलपति

प्रयागराज। लॉकडाउन का यह विषमकाल खंड अवकाश का नहीं, अपितु हम सभी के लिए चुनौती का कालखंड है। वह ऐसा कालखंड है, जब हम सभी अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग कर सकते हैं। अधिन्यास प्रश्न पत्र निर्माण, वीडियो लेक्चर की तैयारी, शिक्षार्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग के साथ ही सम्बंधित विषय की पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का संकल्प लें।

यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, प्रयागराज के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं से साझा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष हो, उसे इसी लॉकडाउन की अवधि में लिख लें, जिससे विश्वविद्यालय अपनी इस कालखंड की उपलब्धि से शासन को अवगत करा सके। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विगत वर्षों विश्वविद्यालय को कई नए पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं, जिसके चलते शिक्षार्थियों का आकर्षण विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ा है। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में नामांकन संख्या में वृद्धि एवं परीक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के साथ-साथ पाठ्य सामग्री प्रेषण में विश्वविद्यालय को शत प्रतिशत सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन में सम्पूर्ण प्रदेश में फैले हमारे छात्र वेबसाइट के माध्यम से पाठ्य सामग्री प्राप्त करने के साथ-साथ यूट्यूब तथा जूम एप्प के माध्यम से शिक्षकों के व्याख्यान से लाभान्वित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के सभी परिसरों एवं कक्षों को सैनिटाइज कराया गया है। कुलपति ने कहा कि इस आकस्मिक कोविड 19 से लड़ने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने अपने एक-एक दिन का वेतन क्रमशः प्रधानमंत्री केयर फंड तथा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में देकर प्रदेश में प्रथम दाता के रूप में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अग्रेसर की भूमिका निभाने का गौरव विश्वविद्यालयों को दिया है। उन्होंने बताया कि सत्र 2020 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है। जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष हमने नैक कराने का भी संकल्प लिया है, जिसके लिए अपेक्षित सूचनाओं का संकलन भी चल रहा है। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो.सिंह ने सभी से अपेक्षा किया है कि इस आपद काल को अवसर समझकर जूम एप्प तथा एसएमएस और व्हाट्सएप आदि से अपने शिक्षार्थियों का निर्देशन जारी रखें तथा विवि के विभिन्न विभागों द्वारा मांगी गई सूचनाओं को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए यथासमय प्रेषित करते रहें। वांछित सूचनाओं की समय से प्राप्ति के अभाव में विवि का कार्य पिछड़ सकता है।

दैनिक जागरण

प्रयागराज, रविवार, 12 अप्रैल 2020

www.jagran.com

कोरोना इलाज के लिए राज्यों को और वित्तीय पैकेज संभव 13 लॉकडाउन हटाना होगा मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा फैसला : ट्रंप 16

www.jagran.com प्रयागराज जागरण प्रयागराज, 12 अप्रैल 2020 दैनिक जागरण 5

तैयारी उत्तर प्रदेश के सभी अध्ययन केंद्रों पर 2020-21 सत्र से लागू होगी नई व्यवस्था

मुक्त विवि में नए सत्र से सेमेस्टर प्रणाली

गुरुदीप त्रिपाठी • प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र 2020-21 में बड़ा बदलाव किए जाने की तैयारी चल रही है। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में स्थापित अध्ययन केंद्रों में अब वार्षिक परीक्षा की जगह सेमेस्टर प्रणाली लागू किया जाएगा। इसमें एक वर्ष की जगह अब छह-छह माह में परीक्षाएं होंगी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देशभर के मुक्त विश्वविद्यालयों को ओपेन यूनिवर्सिटी रेगुलेशन 2018 के तहत सेमेस्टर कार्य परिषद की पिछली बैठक में इसे सर्वसम्मति से मंजूरी भी मिल गई। ऐसे में अब शैक्षणिक सत्र 2020-21 में सेमेस्टर प्रणाली लागू हो जाएगी। हालांकि, पूर्व में दाखिला ले चुके शिक्षार्थियों को वार्षिक परीक्षा में ही हिस्सा लेना पड़ेगा। जबकि नवप्रवेशी को प्रत्येक छह माह पर परीक्षा देनी पड़ेगी। खास बात तो यह है कि यह प्रणाली स्नातक की परीक्षा में भी लागू किया जा रहा है।

> **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की मंशा के अनुरूप स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली नए सत्र से शुरू किया जा रहा है। इसके लिए 80 फीसद पाठ्यक्रम भी तैयार कर लिया गया है।**
>
> **- प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह,** कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय

यूपी के सभी केंद्रों पर लागू होगी व्यवस्था : यह नई व्यवस्था उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में स्थापित कुल 1000 अध्ययन केंद्रों के अलावा 12 क्षेत्रीय केंद्रों पर लागू होगी। इसके बारे में सभी केंद्रों को जानकारी भी दे दी गई है।

80 फीसद पाठ्यक्रम तैयार

सेमेस्टर प्रणाली लागू करने के साथ विवि की विवरणिका में भी बदलाव किया जा रहा है। अब तक 80 फीसद पाठ्यक्रम भी तैयार कर लिया गया है। कुछ कार्य बचे हैं, उसे भी जल्द खत्म करने की कवायद चल रही है।

SUNDAY | 12.04.2020 उत्तर प्रदेश amarujala.com

अमर उजाला

महानगर वर्ष 23 | अंक 297 | पृष्ठ : 12 मूल्य : छह रुपये प्रयागराज • 6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

न बाहर निकलें और न किसी को बुलाएं

कोरोना की चेन तोड़ें

• न हाथ मिलाएं • न गले लगाएं

सार्वजनिक दूरी भी बनाए रखें

अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth amarujala.com प्रयागराज | रविवार, 12 अप्रैल 2020 6

मुक्त विवि में नए सत्र से सेमेस्टर प्रणाली

लॉकडाउन में फंसे शिक्षक घर बैठे तैयार कर रहे पाठ्यक्रम, स्नातक के साथ परास्नातक में भी लागू होगी नई व्यवस्था

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) में नए सत्र से सेमेस्टर प्रणाली लागू किए जाने का निर्णय लिया गया है। मुविवि में परास्नातक के साथ स्नातक पाठ्यक्रमों में भी सेमेस्टर प्रणाली लागू होगी और इसी आधार पर परीक्षाएं भी होंगी। नई व्यवस्था को समय से लागू किया जा सके, इसके लिए लॉकडाउन में फंसे मुविवि के शिक्षक घर बैठे पाठ्यक्रम तैयार कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय में पहले से पंजीकृत विद्यार्थियों पर नहीं पड़ेगा कोई प्रभाव

मुविवि के प्रदेश भर में 12 क्षेत्रीय केंद्र और 1000 सक्रिय अध्ययन केंद्र हैं। इन केंद्रों में 50,000 से अधिक छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। मुविवि में वर्तमान में वार्षिक परीक्षाएं होती हैं, लेकिन नए सत्र 2020-21 से सेमेस्टर परीक्षाएं होंगी। सेमेस्टर प्रणाली स्नातक और परास्नातक दोनों पाठ्यक्रमों में लागू की जाएगी। हालांकि, जो छात्र-छात्राएं मुविवि में पहले से पंजीकृत हैं, उन्हें वार्षिक परीक्षाएं ही देनी होंगी।

नए सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राओं की परीक्षाएं ही सेमेस्टर प्रणाली के अनुरूप होंगी।

कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश पर सत्र 2020 से सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है, जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है। नए पाठ्यक्रम के अनुसार कुछ विषयों की पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है। शिक्षकों से कहा गया है कि लॉकडाउन में मिले समय का सदुपयोग करते रहें और घर बैठे सेमेस्टर प्रणाली से संबंधित पाठ्यक्रम तैयार कर लें, ताकि मुविवि खुलते ही इसे अंतिम रूप दिया जा सके और सेमेस्टर प्रणाली को समय से लागू किया जा सके। इसके अलावा सेमेस्टर प्रणाली से जुड़ी अन्य औपचारिकताओं को भी समय से पूरा किए जाने का प्रयास चल रहा है और शिक्षकों को इस बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं।

facebook.com/amarujala twitter.com/amarujalanews amarujala.com/channels/downloads/

अमर उजाला

amarujala.com
वर्ष 23 • अंक 297 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 2.50 रुपये
प्रयागराज | रविवार | 12 अप्रैल 2020
P 06
SELECT

कोरोना बुलेटिन
लॉकडाउन 3 दिन बाकी
भारत (अब तक)
संक्रमित 7,529 | ठीक हुए 652 | मौत 242 | नए मामले 1035
दुनिया (अब तक) संक्रमित 1,725,815 मौत 104,901

मुविवि में नए सत्र से सेमेस्टर प्रणाली

लॉकडाउन में फंसे शिक्षक घर बैठे तैयार कर रहे पाठ्यक्रम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) में नए सत्र से सेमेस्टर प्रणाली लागू किए जाने का निर्णय लिया गया है। मुविवि में परास्नातक के साथ स्नातक पाठ्यक्रमों में भी सेमेस्टर प्रणाली लागू होगी और इसी आधार पर परीक्षाएं भी होंगी। नई व्यवस्था को समय से लागू किया जा सके, इसके लिए लॉकडाउन में फंसे मुविवि के शिक्षक घर बैठे पाठ्यक्रम तैयार कर रहे हैं।

मुविवि के प्रदेश भर में 12 क्षेत्रीय केंद्र और 1000 सक्रिय अध्ययन केंद्र हैं। इन केंद्रों में 50,000 से अधिक छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। मुविवि में वर्तमान में वार्षिक परीक्षाएं होती हैं, लेकिन नए सत्र 2020-21 से सेमेस्टर परीक्षाएं होंगी। सेमेस्टर प्रणाली स्नातक और परास्नातक दोनों पाठ्यक्रमों में लागू की जाएगी। हालांकि, जो छात्र-छात्राएं मुविवि में पहले से पंजीकृत हैं, उन्हें वार्षिक परीक्षाएं ही देनी होंगी। नए सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राओं की परीक्षाएं ही सेमेस्टर प्रणाली के अनुरूप होंगी।

कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश पर सत्र 2020 से सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है, जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है। नए पाठ्यक्रम के अनुसार कुछ विषयों की पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है। शिक्षकों से कहा गया है कि लॉकडाउन में मिले समय का सदुपयोग करते रहें और घर बैठे सेमेस्टर प्रणाली से संबंधित पाठ्यक्रम तैयार कर लें, ताकि मुविवि खुलते ही इसे अंतिम रूप दिया जा सके और सेमेस्टर प्रणाली को समय से लागू किया जा सके। इसके अलावा सेमेस्टर प्रणाली से जुड़ी अन्य औपचारिकताओं को भी समय से पूरा किए जाने का प्रयास चल रहा है और शिक्षकों को इस बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं।

रविवासरीय

हिन्दुस्तान

कोरोना से लड़ाई हिन्दुस्तान 06

छात्रों को तनाव से दूर करने को ई-परामर्श

प्रयागराज | निज संवाददाता

लॉकडाउन में घर में बैठे छात्रों का तनाव दूर करने के लिए ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ने ई परामर्श का गठन किया गया है। प्राचार्य डॉ. आनंद शंकर सिंह ने बताया कि छात्रों को मनोवैज्ञानिक समस्याओं से उबारने के लिए ई-पहल-काउंसिलिंग पोर्टल का निर्माण किया गया है।

इस पोर्टल पर स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का निराकरण विशेषज्ञों का पैनल करेगा। साथ ही छात्रों का मार्गदर्शन भी करेगा। कॉलेज में लगभग 6000 विद्यार्थियों को पठन-पाठन से संबंधित होने वाली दिक्कतों एवं अध्ययन के लिए केंद्र सरकार एवं अन्य संस्थाओं ने उपलब्ध पठन-पाठन की सामग्रियों की उपलब्धता के संबंध में भी विशेषज्ञों की एक टीम बनाई है। डॉ. सिंह ने कहा कि अक्सर युवा पीढ़ी के लोग फेक न्यूज का शिकार होकर मानसिक एवं शारीरिक समस्याओं से ग्रसित हो जाते हैं, अतः इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इस ई-पोर्टल पर सारे पहलुओं से संबंधित विशेषज्ञों को एक साथ शामिल किया गया है। विशेषज्ञों के पैनल में मनोविज्ञान विभाग से डॉ. विवेकानंद त्रिपाठी, डॉ. अंजना श्रीवास्तव, डॉ. वेदप्रकाश मिश्र, डॉ. अविनाश पांडेय, डॉ. सत्यव्रत शुक्ल आदि शामिल हैं।

मुविवि में होगा सेमेस्टर सिस्टम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) के नए शैक्षिक सत्र से स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम में सेमेस्टर सिस्टम लागू होगा। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि यूजीसी के निर्देशानुसार सत्र 2020-21 से सेमेस्टर प्रणाली लागू की जाएगी। इसके तहत सभी पाठ्यक्रमों की पढ़ाई सेमेस्टर में होगी। सेमेस्टर सिस्टम लागू करने के लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है। नए पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के प्रकाशन का काम प्रगति पर है।

आनंदी मेल

लॉक डाउन में पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें-कुलपति

द्वारा Surya Mani Dubey -April 11, 2020 01:32 PM

- सोशल मीडिया के माध्यम से किया शिक्षकों से संवाद

प्रयागराज। लॉकडाउन का यह विषमकाल खंड अवकाश का नहीं, अपितु हम सभी के लिए चुनौती का कालखंड है। यह ऐसा कालखंड है, जब हम सभी अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग कर सकते हैं। अधिन्यास प्रश्न पत्र निर्माण, वीडियो लेक्चर की तैयारी, शिक्षार्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग के साथ ही संबंधित विषय की पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का संकल्प लें।
उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं से साझा किए।
प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष हो, उसे इसी लॉकडाउन की अवधि में लिख लें, जिससे विश्वविद्यालय अपनी इस कालखंड की उपलब्धि से शासन को अवगत करा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय देश में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विगत वर्षों में विश्वविद्यालय को कई नए पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं, जिसके चलते शिक्षार्थियों का आकर्षण विश्वविद्यालय के प्रति बड़ा है। राष्ट्र एवं समाज की समसामयिक चुनौतियों को देखते हुए विश्वविद्यालय ने समयानुकूल पाठ्यक्रमों को क्रियान्वित करके राष्ट्रव्यापी ख्याति अर्जित किया है।

उत्तर प्रदेश » प्रयागराज » लॉक डाउन में पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें-कुलपति

Share Share Whatsapp

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि यह सर्वविदित है कि विगत वर्षों में नामांकन संख्या में वृद्धि एवं परीक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के साथ- साथ समय से पाठ्य सामग्री प्रेषण में विश्वविद्यालय को शत-प्रतिशत सफलता मिली है।
प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस अप्रत्याशित परंतु अनिवार्य राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन में संपूर्ण प्रदेश में फैले हमारे छात्र वेबसाइट के माध्यम से पाठ सामग्री प्राप्त करने के साथ-साथ यूट्यूब तथा ज़ूम एप्प के माध्यम से शिक्षकों के व्याख्यान से लाभान्वित हो रहे हैं।
विश्वविद्यालय के शांतिपुरम फाफामऊ स्थित अपने आवासीय परिसर में रह रहे कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस विषम परिस्थिति में विश्वविद्यालय अपनी आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं यथा बिजली, सफाई एवं हरियाली को निरंतर बनाए हुए है। विश्वविद्यालय के सभी परिसरों एवं कक्षों को सैनिटाइज कराया गया है।
उन्होंने कहा कि इस आकस्मिक कोविड -19 से लड़ने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने अपने एक - एक दिन का वेतन क्रमश: प्रधानमंत्री केयर फंड तथा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में देकर प्रदेश में प्रथम दाता के रूप में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अग्रेसर की भूमिका निभाने का गौरव विश्वविद्यालयों को दिया है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लॉकडाउन में अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग आगामी जून 2020 की वार्षिक परीक्षा तथा बीएड सामान्य/ विशेष की प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि सत्र 2020 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है। जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है । नए पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष हमने नैक कराने का भी संकल्प लिया है, जिसके लिए अपेक्षित सूचनाओं का संकलन भी चल रहा है। ऐसे समय में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों की भूमिका गुरुतर है। सभी सदस्यों का सहयोग इन सभी कार्यों में अपेक्षित है।
विश्वविद्यालय के द्वारा मांगी गई सूचनाओं का अपेक्षित समय पर प्राप्त होना आवश्यक है।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह ने सभी से अपेक्षा की कि इस आपद काल को अवसर समझकर ज़ूम एप्प तथा एस एम एस और व्हाट्सएप आदि से अपने शिक्षार्थियों का निर्देशन जारी रखें तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा मांगी गई सूचनाओं को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए यथा समय प्रेषित करते रहें। वांछित सूचनाओं की समय से प्राप्ति के अभाव में विश्वविद्यालय का कार्य पिछड़ सकता है। यह भी अपेक्षित है कि शिक्षक गण अपना व्याख्यान पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार करें, जिसकी रिकॉर्डिंग सामान्य स्थिति वापस होने पर हो सके। इस कालखंड में आगामी सत्र के लिए अपने- अपने विषय के अधिन्यास प्रश्न पत्र भी तैयार कर लें एवं विश्वविद्यालय खुलते ही उसे वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु परीक्षा नियंत्रक को प्रेषित करें। विभिन्न विषयों में जो पाठ्य सामग्री लिखना अवशेष हो उसे भी लॉकडाउन के दरमियान पूरा करने का प्रयास करें, जिससे आगामी सत्र में यथा समय इसे वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके और शिक्षार्थियों तक सुलभ बनाया जा सके। इस विषम स्थिति में विश्वविद्यालय मुख्यालय छोड़ने से पहले विश्वविद्यालय को सूचित करें एवं अपना फोन कदापि बंद ना करें।
कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग एवं समन्वय से इस लॉक डाउन के कालखंड को अवसर समझकर स्वास्थ्य विभाग एवं शासन के निर्देशों का पालन करते हुए हम घर बैठे आवश्यक कार्यों को संपादित करते रहेंगे तथा विश्वविद्यालय के गुणात्मक शिक्षा स्तर में वांछित परिवर्तन करने में सक्षम एवं समर्थ सिद्ध होंगे।

कोरोना को हराएं भारत को विजयी बनाएं

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

लखनऊ, रविवार 12 अप्रैल 2020

लॉकडाउन को बनाएं चुनौती का कालखंड: कुलपति

भास्कर न्यूज

प्रयागराज। लॉकडाउन का यह विषमकाल खंड अवकाश का नहीं, अपितु हम सभी के लिए चुनौती का कालखंड है। यह ऐसा समय है, जब हम सभी अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग कर सकते हैं। अधिन्यास प्रश्न पत्र निर्माण, वीडियो लेक्चर की तैयारी, शिक्षार्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग के साथ ही संबंधित विषय की पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का संकल्प लें। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहीं। वो सोशल मीडिया के माध्यम से मुविवि के शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं से संवाद कर रहे थे। प्रो. सिंह ने कहा कि जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष हो, उसे इसी लॉकडाउन की अवधि में लिख लें, जिससे विश्वविद्यालय अपनी इस कालखंड की उपलब्धि से शासन को अवगत करा सके। कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि सत्र 2020 से यूजीसी के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है। जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है। नए पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है। ऐसे समय में शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों का सहयोग उक्त सभी कार्यों में अपेक्षित है। मुविवि द्वारा मांगी गई सूचनाओं का अपेक्षित समय पर प्राप्त होना आवश्यक है।

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

SUNDAY

12 अप्रैल, 2020, वैशाख कृष्ण पक्ष-5, 2077

सोशल मीडिया के माध्यम से किया शिक्षकों से संवाद

लॉकडाउन में पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें : कुलपति

भास्कर न्यूज

प्रयागराज। लॉकडाउन का यह विषमकाल खंड अवकाश का नहीं, अपितु हम सभी के लिए चुनौती का कालखंड है। यह ऐसा कालखंड है, जब हम सभी अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग कर सकते हैं। अधिन्यास प्रश्न पत्र निर्माण, वीडियो लेक्चर की तैयारी, शिक्षार्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग के साथ ही संबंधित विषय की पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का संकल्प लें। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं से साझा किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष हो, उसे इसी लॉकडाउन की अवधि में लिख लें, जिससे विश्वविद्यालय अपनी इस कालखंड की उपलब्धि से शासन को अवगत करा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय देश में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विगत वर्षों में विश्वविद्यालय को कई नए पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं, जिसके चलते शिक्षार्थियों का आकर्षण विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ा है। राष्ट्र एवं समाज की समसामयिक चुनौतियों को देखते हुए विश्वविद्यालय ने समयानुकूल पाठ्यक्रमों को क्रियान्वित करके राष्ट्रव्यापी ख्याति अर्जित किया है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि यह संवेदित है कि विगत वर्षों में नामांकन संख्या में वृद्धि एवं परीक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के साथ- साथ समय से पाठ्य सामग्री प्रेषण में विश्वविद्यालय को शत-प्रतिशत सफलता मिली है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस अप्रत्याशित परंतु अनिवार्य राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन में संपूर्ण प्रदेश में फैले हमारे छात्र वेबसाइट के माध्यम से पाठ सामग्री प्राप्त करने के साथ-साथ यूट्यूब तथा जूम एप्प के माध्यम से शिक्षकों के व्याख्यान से लाभान्वित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के शांतिपुरम फाफामऊ स्थित अपने आवासीय परिसर में रह रहे कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस विषम परिस्थिति में विश्वविद्यालय अपनी आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं यथा बिजली, सफाई एवं हरियाली को निरंतर बनाए हुए है। विश्वविद्यालय के सभी परिसरों एवं कक्षों को सैनिटाइज कराया गया है। उन्होंने कहा कि इस आकस्मिक कोविड -19 से लड़ने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने अपने एक - एक दिन का वेतन क्रमशः प्रधानमंत्री केयर फंड तथा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में देकर प्रदेश में प्रथम दाता के रूप में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अग्रेसर की भूमिका निभाने का गौरव विश्वविद्यालयों को दिया है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लॉकडाउन में अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग आगामी जून 2020 की वार्षिक परीक्षा तथा बीएड सामान्य/ विशेष की प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि सत्र 2020 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है। जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है । नए पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष हमने नैक कराने का भी संकल्प लिया है, जिसके लिए अपेक्षित सूचनाओं का संकलन भी चल रहा है। ऐसे समय में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों की भूमिका गुरुतर है। सभी सदस्यों का सहयोग इन सभी कार्यों में अपेक्षित है। विश्वविद्यालय के द्वारा मांगी गई सूचनाओं का अपेक्षित समय पर प्राप्त होना आवश्यक है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह ने सभी से अपेक्षा की कि इस आपद काल को अवसर समझकर जूम एप्प तथा एस एम एस और व्हाट्सएप्प आदि से अपने शिक्षार्थियों का निर्देशन जारी रखें तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा मांगी गई सूचनाओं को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए यथा समय प्रेषित करते रहें। वांछित सूचनाओं की समय से प्राप्ति के अभाव में विश्वविद्यालय का कार्य पिछड़ सकता है। यह भी अपेक्षित है कि शिक्षक गण अपना व्याख्यान पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार करें, जिसकी रिकॉर्डिंग सामान्य स्थिति वापस होने पर हो सके। इस कालखंड में आगामी सत्र के लिए अपने- अपने विषय के अधिन्यास प्रश्न पत्र भी तैयार कर लें एवं विश्वविद्यालय खुलते ही उसे वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु परीक्षा नियंत्रक को प्रेषित करें। विभिन्न विषयों में जो पाठ्य सामग्री लिखना अवशेष हो उसे भी लॉकडाउन के दरमियान पूरा करने का प्रयास करें, जिससे आगामी सत्र में यथा समय इसे वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके और शिक्षार्थियों तक सुलभ बनाया जा सके।

लखनऊ, बरेली व मुरादाबाद से प्रकाशित

अमृत विचार

वर्ष 30, अंक 112, पृष्ठ 12, मूल्य : 2 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

लखनऊ, रविवार, 12 अप्रैल 2020

निर्देश | यूपीआरटीओयू के कुलपति ने शिक्षकों के साथ की ऑनलाइन बैठक, प्रोफेसर व कर्मचारियों ने दान किया एक दिन का वेतन

प्राथमिकता के आधार पर शिक्षक पूरी करें तैयारी

अमृत विचार लखनऊ

लॉकडाउन की अवधि में कोई भी अपना समय न बर्बाद करे बल्कि सभी शिक्षक प्रश्न पत्र निर्माण, वीडियो लेक्चर की तैयारी, शिक्षार्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग के साथ ही संबंधित विषय की पाठ्य सामग्री तैयार करायें। ये निर्देश राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी (यूपीआरटीओयू) के कुलपति प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह ने दिए।

वे शनिवार को सभी शिक्षकों और प्रोफेसरों के साथ ऑनलाइन मीटिंग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष हो, उसे इसी लॉकडाउन की अवधि में लिख लें, जिससे विवि अपनी प्रगति रिपोर्ट शासन को भेज सके। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विगत वर्षों में विश्वविद्यालय को कई नए पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं, जिसके

कुलपति प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह।

चलते शिक्षार्थियों का आकर्षण विवि के प्रति बढ़ा है। उन्होंने कहा इस विषम परिस्थिति में विवि अपनी आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं यथा बिजली, सफाई एवं हरियाली को निरंतर बनाए हुए है। सभी परिसरों एवं कक्षों को सैनिटाइज कराया गया है। उन्होंने कहा कि कोविड -19 से लड़ने के लिए विवि परिवार के सदस्यों ने अपने एक – एक दिन का वेतन क्रमशः प्रधानमंत्री केयर फंड तथा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में दिया है।

यूजीसी की निर्धारित सेमेस्टर प्रणाली होगी लागू

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लॉकडाउन में अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग आगामी जून 2020 की वार्षिक परीक्षा तथा बीएड सामान्य विशेष की प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए करें। कुलपति ने बताया कि सत्र 2020 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है। जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है ।

नई पुस्तकों के छपने का कार्य जारी

नए पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष हमने नैक कराने का भी संकल्प लिया है, जिसके लिए अपेक्षित सूचनाओं का संकलन भी चल रहा है।

एलयू के प्रोफेसरों व कर्मचारियों ने दिया एक दिन का वेतन

एलयू के कुलपति प्रो. आलोक राय ने सीएम को 34 लाख, 81 हजार, 918 रु. का चेक सौंपा।

लखनऊ। राजधानी के अन्य विश्वविद्यालयों की तरह लखनऊ विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ प्रोफेसरों ने एक दिन का वेतन सीएम रिलीफ फंड में दान किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात और इस दौरान उन्होंने 34 लाख 81 हजार 918 रुपए का चेक सौंपा। कुलपति ने इस दौरान कोरोना के संकट से निपटने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से उठाये गये कदमों के बारे में बताया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट जिला प्रशासन के अधिकारियों के माध्यम से पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है, विश्वविद्यालय में क्विज की शुरुआत की गयी है जिसमें विश्वविद्यालय के कर्मचारियों समेत अधिकारी भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

रविवारीय
लखनऊ, कानपुर और दिल्ली से प्रकाशित
प्रकाशन का 73वां वर्ष
स्वतंत्र भारत
लखनऊ
रविवार, 12 अप्रैल 2020 ई.
चैत्रादय मास कृष्ण पक्ष 5
सं. 2077 वि.
epaper: swatantrabharat.net
website:- www.swatantrabharat.net
वर्ष 73 अंक 235 नगर संस्करण पृष्ठ 16 मूल्य 3.00 रुपये

लाकडाउन में पाठ्य सामग्री को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें : कुलपति

सोशल मीडिया के माध्यम से किया शिक्षकों से संवाद

प्रयागराज। लॉकडाउन का यह विषमकाल खंड अवकाश का नहीं, अपितु हम सभी के लिए चुनौती का कालखंड है। यह ऐसा कालखंड है, जब हम सभी अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग कर सकते हैं। अधिन्यास प्रश्न पत्र निर्माण, वीडियो लेक्चर की तैयारी, शिक्षाणथयों की आनलाइन काउंसलिंग के साथ ही सम्बंधित विषय की पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का संकल्प लें।

उक्त बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, प्रयागराज के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं से साझा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष हो, उसे इसी लाकडाउन की अवधि में लिख लें, जिससे विश्वविद्यालय अपनी इस कालखंड की उपलब्धि से शासन को अवगत करा सके। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विगत वर्षों विश्वविद्यालय को कई नए पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं, जिसके चलते शिक्षर्थियों का आकर्षण विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ा है। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में नामांकन संख्या में वृद्धि एवं परीक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के साथ- साथ पाठ्य सामग्री प्रेषण में विश्वविद्यालय को शत प्रतिशत सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन में सम्पूर्ण प्रदेश में फैले हमारे छात्र वेबसाइट के माध्यम से पाठ्य सामग्री प्राप्त करने के साथ-साथ यूट्यूब तथा जूम एप्प के माध्यम से शिक्षकों के व्याख्यान से लाभान्वित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के सभी परिसरों एवं कक्षों को सैनिटाइज कराया गया है।

कुलपति ने कहा कि इस आकस्मिक कोविड १९ से लड़ने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने अपने एक-एक दिन का वेतन क्रमशः प्रधानमंत्री केयर फंड तथा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में देकर प्रदेश में प्रथम दाता के रूप में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अग्रेसर की भूमिका निभाने का गौरव विश्वविद्यालयों को दिया है। उन्होंने बताया कि सत्र २०२० से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है। जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष हमने नैक कराने का भी संकल्प लिया है, जिसके लिए अपेक्षित सूचनाओं का संकलन भी चल रहा है। मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो.सिंह ने सभी से अपेक्षा किया है कि इस आपद काल को अवसर समझकर जूम एप्प तथा एसएमएस और व्हाट्सएप आदि से अपने शिक्षाणथयों का निर्देशन जारी रखें तथा विवि के विभिन्न विभागों द्वारा मांगी गई सूचनाओं को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए यथासमय प्रेषित करते रहें। वांछित सूचनाओं की समय से प्राप्ति के अभाव में विवि का कार्य पिछड़ सकता है।

जिज्ञासा कुंज

लॉकडाउन में पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें : कुलपति

प्रयागराज, जिज्ञासा कुंज। लॉकडाउन का यह विषमकाल खंड अवकाश का नहीं, अपितु हम सभी के लिए चुनौती का कालखंड है। यह ऐसा कालखंड है, जब हम सभी अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग कर सकते हैं। अधिन्यास प्रश्न पत्र निर्माण, वीडियो लेक्चर की तैयारी, शिक्षार्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग के साथ ही संबंधित विषय की पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का संकल्प लें। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं से साझा किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष हो, उसे इसी लॉकडाउन की अवधि में लिख लें, जिससे विश्वविद्यालय अपनी इस कालखंड की उपलब्धि से शासन को अवगत करा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय देश में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विगत वर्षों में विश्वविद्यालय को कई नए पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं, जिसके चलते शिक्षार्थियों का आकर्षण विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ा है। राष्ट्र एवं समाज की समसामयिक चुनौतियों को देखते हुए विश्वविद्यालय ने समयानुकूल पाठ्यक्रमों को क्रियान्वित करके राष्ट्रव्यापी ख्याति अर्जित किया है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि यह सर्वविदित है कि विगत वर्षों में नामांकन संख्या में वृद्धि एवं परीक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के साथ- साथ पाठ्य सामग्री प्रेषण में विश्वविद्यालय को शत-प्रतिशत सफलता मिली है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस अप्रत्याशित परंतु अनिवार्य राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन में संपूर्ण प्रदेश में फैले हमारे छात्र वेबसाइट के माध्यम से पाठ सामग्री प्राप्त करने के साथ-साथ यूट्यूब तथा जूम एप्प के माध्यम से शिक्षकों के व्याख्यान से लाभान्वित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के शांतिपुरम फाफामऊ स्थित अपने आवासीय परिसर में रह रहे कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस विषम परिस्थिति में विश्वविद्यालय अपनी आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं यथा बिजली, सफाई एवं हरियाली को निरंतर बनाए हुए है। विश्वविद्यालय के सभी परिसरों एवं कक्षों को सैनिटाइज कराया गया है। उन्होंने कहा कि इस आकस्मिक कोविड -19 से लड़ने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने अपने एक - एक दिन का वेतन क्रमशः प्रधानमंत्री केयर फंड तथा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में देकर प्रदेश में प्रथम दाता के रूप में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अग्रेसर की भूमिका निभाने का गौरव विश्वविद्यालयों को दिया है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लॉकडाउन में अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग आगामी जून 2020 की वार्षिक परीक्षा तथा बीएड सामान्य/ विशेष की प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि सत्र 2020 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है। जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है । नए पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है।

दैनिक लोकमित्र
सच्चाई की जंग
वर्ष : 26 | अंक : 162
प्रतापगढ़ | रविवार , 12 अप्रैल-2020
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपये
प्रतापगढ़, कौशाम्बी, अमेठी एवं लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
संस्थापक : ब्रह्मलीन स्व. रामनिरंजन भगवान
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dainiklokmitra.in
R.N.I. No. : 71870/94

लॉक डाउन में पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें-कुलपति

सोशल मीडिया के माध्यम से किया शिक्षकों से संवाद

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। लॉकडाउन का यह विषमकाल खंड अवकाश का नहीं, अपितु हम सभी के लिए चुनौती का कालखंड है। यह ऐसा कालखंड है, जब हम सभी अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग कर सकते हैं। अधिन्यास प्रश्न पत्र निर्माण, वीडियो लेक्चर की तैयारी, शिक्षार्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग के साथ ही संबंधित विषय की पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का सकल्प ले। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं से साझा किए।प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष हो, उसे इसी लॉकडाउन की अवधि में लिख लें, जिससे विश्वविद्यालय अपनी इस कालखंड की उपलब्धि से शासन को अवगत करा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय देश में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विगत वर्षों में विश्वविद्यालय को कई नए पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं, जिसके चलते शिक्षार्थियों का आकर्षण विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ा है। राष्ट्र एवं समाज की समसामयिक चुनौतियों को देखते हुए विश्वविद्यालय ने समयानुकूल पाठ्यक्रमों को क्रियान्वित करके राष्ट्रव्यापी ख्याति अर्जित किया है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि यह सर्वविदित है कि विगत वर्षों में नामांकन संख्या में वृद्धि एवं परीक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के साथ- साथ समय से पाठ्य सामग्री प्रेषण में विश्वविद्यालय को शत-प्रतिशत सफलता मिली है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस अप्रत्याशित परंतु अनिवार्य राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन में संपूर्ण प्रदेश में फैले हमारे छात्र वेबसाइट के माध्यम से पाठ सामग्री प्राप्त करने के साथ-साथ यूट्यूब तथा जूम एप्प के माध्यम से शिक्षकों के व्याख्यान से लाभान्वित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के शांतिपुरम फाफामऊ स्थित अपने आवासीय परिसर में रह रहे कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस विषम परिस्थिति में विश्वविद्यालय अपनी आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं यथा बिजली, सफाई एवं हरियाली को निरंतर बनाए हुए है। विश्वविद्यालय के सभी परिसरों एवं कक्षों को सैनिटाइज कराया गया है। उन्होंने कहा कि इस आकस्मिक कोविड -19 से लड़ने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने अपने एक - एक दिन का वेतन क्रमशः प्रधानमंत्री केयर फंड तथा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में देकर प्रदेश में प्रथम दाता के रूप में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अग्रेसर की भूमिका निभाने का गौरव विश्वविद्यालयों को दिया है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लॉकडाउन में अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग आगामी जून 2020 की वार्षिक परीक्षा तथा बीएड सामान्य/ विशेष की प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि सत्र 2020 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है। जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है । नए पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष हमने नैक कराने का भी संकल्प लिया है, जिसके लिए अपेक्षित सूचनाओं का संकलन भी चल रहा है। ऐसे समय में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों की भूमिका गुरुतर है।

सभी सदस्यों का सहयोग

इन सभी कार्यों में अपेक्षित है। विश्वविद्यालय के द्वारा मांगी गई सूचनाओं का अपेक्षित समय पर प्राप्त होना आवश्यक है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह ने सभी से अपेक्षा की कि इस आपद काल को अवसर समझकर जूम एप्प तथा एस एम एस और व्हाट्सएप आदि से अपने शिक्षार्थियों का निर्देशन जारी रखें तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा मांगी गई सूचनाओं को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए यथा समय प्रेषित करते रहें। वांछित सूचनाओं की समय से प्राप्ति के अभाव में विश्वविद्यालय का कार्य पिछड़ सकता है। यह भी अपेक्षित है कि शिक्षक गण अपना व्याख्यान पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार करें, जिसकी रिकॉर्डिंग सामान्य स्थिति वापस होने पर हो सके। इस कालख में आगामी सत्र के लिए अपने- अप विषय के अधिन्यास प्रश्न पत्र भी तैय कर लें एवं विश्वविद्यालय खुलते ही उसे वेबसाइट पर अपलोड करने हे परीक्षा नियंत्रक को प्रेषित करें। विभि विषयों में जो पाठ्य सामग्री लिख अवशेष हो उसे भी लॉकडाउन दरमियान पूरा करने का प्रयास को जिससे आगामी सत्र में यथा समय इ वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके और शिक्षार्थियों तक सुलभ बनाया जा सके।

इस विषम स्थिति विश्वविद्यालय मुख्यालय छोड़ने पहले विश्वविद्यालय को सूचित क एवं अपना फोन कदापि बंद करें।कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वा व्यक्त किया कि सभी के सहयोग ए समन्वय से इस लॉक डाउन कालखंड को अवसर समझक स्वास्थ्य विभाग एवं शासन के निर्देश का पालन करते हुए हम घर बै आवश्यक कार्यों को संपादित कर रहेंगे तथा विश्वविद्यालय के गुणात्म शिक्षा स्तर में वांछित परिवर्तन करने सक्षम एवं समर्थ सिद्ध होंगे।

STAR INDIA NEWS 24

प्रयागराज 11 अप्रैल 2020 कुलदीप शुक्ला स्टार इंडिया न्यूज़ 24

लॉकडाउन का यह विषमकाल खंड अवकाश का नहीं, अपितु हम सभी के लिए चुनौती का कालखंड है। यह ऐसा कालखंड है, जब हम सभी अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग कर सकते हैं। अधिन्यास प्रश्न पत्र निर्माण, वीडियो लेक्चर की तैयारी, शिक्षार्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग के साथ ही संबंधित विषय की पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का संकल्प लें।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं से साझा किए।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष हो, उसे इसी लॉकडाउन की अवधि में लिख लें, जिससे विश्वविद्यालय अपनी इस कालखंड की उपलब्धि से शासन को अवगत करा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय देश में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विगत वर्षों में विश्वविद्यालय को कई नए पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं, जिसके चलते शिक्षार्थियों का आकर्षण विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ा है। राष्ट्र एवं समाज की समसामयिक चुनौतियों को देखते हुए विश्वविद्यालय ने समयानुकूल पाठ्यक्रमों को क्रियान्वित करके राष्ट्रव्यापी ख्याति अर्जित किया है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि यह सर्वविदित है कि विगत वर्षों में नामांकन संख्या में वृद्धि एवं परीक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के साथ- साथ समय से पाठ्य सामग्री प्रेषण में विश्वविद्यालय को शत-प्रतिशत सफलता मिली है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस अप्रत्याशित परंतु अनिवार्य राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन में संपूर्ण प्रदेश में फैले हमारे छात्र वेबसाइट के माध्यम से पाठ सामग्री प्राप्त करने के साथ-साथ यूट्यूब तथा ज़ूम एप्प के माध्यम से शिक्षकों के व्याख्यान से लाभान्वित हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय के शांतिपुरम फाफामऊ स्थित अपने आवासीय परिसर में रह रहे कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस विषम परिस्थिति में विश्वविद्यालय अपनी आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं यथा बिजली, सफाई एवं हरियाली को निरंतर बनाए हुए है। विश्वविद्यालय के सभी परिसरों एवं कक्षों को सैनिटाइज कराया गया है। उन्होंने कहा कि इस आकस्मिक कोविड -19 से लड़ने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने अपने एक – एक दिन का वेतन क्रमशः प्रधानमंत्री केयर फंड तथा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में देकर प्रदेश में प्रथम दाता के रूप में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अग्रेसर की भूमिका निभाने का गौरव विश्वविद्यालय परिवार ने प्राप्त किया है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लॉकडाउन में अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग आगामी जून 2020 की वार्षिक परीक्षा तथा बीएड सामान्य/विशेष की प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि सत्र 2020 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है। जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है । नए पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष हमने नैक कराने का भी संकल्प लिया है, जिसके लिए अपेक्षित सूचनाओं का संकलन भी चल रहा है। ऐसे समय में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों की भूमिका गुरुतर है। सभी सदस्यों का सहयोग इन सभी कार्यों में अपेक्षित है।

विश्वविद्यालय के द्वारा मांगी गई सूचनाओं का अपेक्षित समय पर प्राप्त होना आवश्यक है।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह ने सभी से अपेक्षा की कि इस आपद काल को अवसर समझकर जून एप्प तथा एस एम एस और व्हाट्सएप्प आदि से अपने शिक्षार्थियों का निर्देशन जारी रखें तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा मांगी गई सूचनाओं को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए यथा समय प्रेषित करते रहें। वांछित सूचनाओं की समय यथा समय प्रेषित करते रहें। वांछित सूचनाओं की समय से प्राप्ति के अभाव में विश्वविद्यालय का कार्य पिछड़ सकता है। यह भी अपेक्षित है कि शिक्षक गण अपना व्याख्यान पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार करें, जिसकी रिकॉर्डिंग सामान्य स्थिति वापस होने पर हो सके। इस कालखंड में आगामी सत्र के लिए अपने- अपने विषय के अधिन्यास प्रश्न पत्र भी तैयार कर लें एवं विश्वविद्यालय खुलते ही उसे वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु परीक्षा नियंत्रक को प्रेषित करें। विभिन्न विषयों में जो पाठ्य सामग्री लिखना अवशेष हो उसे भी लॉकडाउन के दरमियान पूरा करने का प्रयास करें, जिससे आगामी सत्र में यथा समय इसे वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके और शिक्षार्थियों तक सुलभ बनाया जा सके। इस विषम स्थिति में विश्वविद्यालय मुख्यालय छोड़ने से पहले विश्वविद्यालय को सूचित करें एवं अपना फोन कदापि बंद ना करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग एवं समन्वय से इस लॉक डाउन के कालखंड को अवसर समझकर स्वास्थ्य विभाग एवं शासन के निर्देशों का पालन करते हुए हम घर बैठे आवश्यक कार्यों को संपादित करते रहेंगे तथा विश्वविद्यालय के गुणात्मक शिक्षा स्तर में वांछित परिवर्तन करने में सक्षम एवं समर्थ सिद्ध होंगे। यह जानकारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र मीडिया प्रभारी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने दी।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

हिन्दी दैनिक
दैनिक कर्मठ

लॉक डाउन में प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें लेखन-कुलपति

- सोशल मीडिया के माध्यम से किया शिक्षकों से संवाद

प्रयागराज। लॉकडाउन का यह विषमकाल खंड अवकाश का नहीं, अपितु हम सभी के लिए चुनौती का कालखंड है। यह ऐसा कालखंड है, जब हम सभी अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग कर सकते हैं। अधिन्यास प्रश्न पत्र निर्माण, वीडियो लेक्चर की तैयारी, शिक्षार्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग के साथ ही संबंधित विषय की पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का संकल्प लें। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं से साझा किए।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष हो, उसे इसी लॉकडाउन की अवधि में लिख लें, जिससे विश्वविद्यालय अपनी इस कालखंड की उपलब्धि से शासन को अवगत करा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय देश में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विगत वर्षों में विश्वविद्यालय को कई नए पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं, जिसके चलते शिक्षार्थियों का आकर्षण विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ा है। राष्ट्र एवं समाज की समसामयिक चुनौतियों को देखते हुए विश्वविद्यालय ने समयानुकूल पाठ्यक्रमों को क्रियान्वित करके राष्ट्रव्यापी ख्याति अर्जित किया है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि यह सर्वविदित है कि विगत वर्षों में नामांकन संख्या में वृद्धि एवं परीक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के साथ- साथ समय से पाठ्य सामग्री प्रेषण में विश्वविद्यालय को शत-प्रतिशत सफलता मिली है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस अप्रत्याशित परंतु अनिवार्य राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन में संपूर्ण प्रदेश में फैले हमारे छात्र वेबसाइट के माध्यम से पाठ सामग्री प्राप्त करने के साथ-साथ यूट्यूब तथा ज़ूम एप्प के माध्यम से शिक्षकों के व्याख्यान से लाभान्वित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के शांतिपुरम फाफामऊ स्थित अपने आवासीय परिसर में रह रहे कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस विषम परिस्थिति में विश्वविद्यालय अपनी आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं यथा बिजली, सफाई एवं हरियाली को निरंतर बनाए हुए हैं। विश्वविद्यालय के सभी परिसरों एवं कक्षों को सैनिटाइज कराया गया है। उन्होंने कहा कि इस आकस्मिक कोविड –19 से लड़ने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने अपने एक – एक दिन का वेतन क्रमशरू प्रधानमंत्री केयर फंड तथा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में देकर प्रदेश में प्रथम दाता के रूप में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अग्रेसर की भूमिका निभाने का गौरव विश्वविद्यालयों को दिया है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लॉकडाउन में अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग आगामी जून 2020 की वार्षिक परीक्षा तथा बीएड सामान्य/विशेष की प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि सत्र 2020 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है। जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है । नए पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष हमने नैक कराने का भी संकल्प लिया है, जिसके लिए अपेक्षित सूचनाओं का संकलन भी चल रहा है। ऐसे समय में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों की भूमिका गुरुतर है। सभी सदस्यों का सहयोग इन सभी कार्यों में अपेक्षित है। विश्वविद्यालय के द्वारा मांगी गई सूचनाओं का अपेक्षित समय पर प्राप्त होना आवश्यक है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह ने सभी से अपेक्षा की कि इस आपद काल को अवसर समझकर जून एप्प तथा एस एम एस और व्हाट्सएप्प आदि से अपने शिक्षार्थियों का निर्देशन जारी रखें तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा मांगी गई सूचनाओं को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए यथा समय प्रेषित करते रहें। वांछित सूचनाओं की समय से प्राप्ति के अभाव में विश्वविद्यालय का कार्य पिछड़ सकता है। यह भी अपेक्षित है कि शिक्षक गण अपना व्याख्यान पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार करें, जिसकी रिकॉर्डिंग सामान्य स्थिति वापस होने पर हो सके। इस कालखंड में आगामी सत्र के लिए अपने- अपने विषय के अधिन्यास प्रश्न पत्र भी तैयार कर लें एवं विश्वविद्यालय खुलते ही उसे वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु परीक्षा नियंत्रक को प्रेषित करें। विभिन्न विषयों में जो पाठ्य सामग्री लिखना अवशेष हो उसे भी लॉकडाउन के दरमियान पूरा करने का प्रयास करें, जिससे आगामी सत्र में यथा समय इसे वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके और शिक्षार्थियों तक सुलभ बनाया जा सके। इस विषम स्थिति में विश्वविद्यालय मुख्यालय छोड़ने से पहले विश्वविद्यालय को सूचित करें एवं अपना फोन कदापि बंद ना करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग एवं समन्वय से इस लॉक डाउन के कालखंड को अवसर समझकर स्वास्थ्य विभाग एवं शासन के निर्देशों का पालन करते हुए हम घर बैठे आवश्यक कार्यों को संपादित करते रहेंगे तथा विश्वविद्यालय के गुणात्मक शिक्षा स्तर में वांछित परिवर्तन करने में सक्षम एवं समर्थ सिद्ध होंगे।

अमर उजाला

Home › Photo Gallery › Uttar Pradesh › Prayagraj ›

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में नए सत्र से सेमेस्टर प्रणाली

news desk amar ujala, prayagraj, Updated Sat, 11 Apr 2020 01:55 PM IST

prf. Kameshwar Nath Singh VC RTOU Prayagraj - फोटो : prayagraj

यूपीआरटीओयू- फोटो : UPRTOU

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में नए सत्र से सेमेस्टर प्रणाली लागू किए जाने का निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय में परास्नातक के साथ स्नातक पाठ्यक्रमों में भी सेमेस्टर प्रणाली लागू होगी और इसी आधार पर परीक्षाएं भी होंगी। नई व्यवस्था को समय से लागू किया जा सके, इसके लिए लॉक डाउन में फंसे मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षक घर बैठे पाठ्यक्रम तैयार कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में 12 क्षेत्रीय केंद्र और 1000 सक्रिय अध्ययन केंद्र हैं। इन केंद्रों में 50,000 से अधिक छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। विश्वविद्यालय में वर्तमान में वार्षिक परीक्षाएं होती हैं लेकिन नए सत्र 2020-21 से सेमेस्टर परीक्षाएं होंगी। सेमेस्टर प्रणाली स्नातक और परास्नातक दोनों पाठ्यक्रमों में लागू की जाएगी। हालांकि जो छात्र-छात्राएं मुक्त विश्वविद्यालय में पहले से पंजीकृत हैं, उन्हें वार्षिक परीक्षाएं ही देनी होंगी।

नए सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राओं की परीक्षाएं ही सेमेस्टर प्रणाली के अनुरूप होंगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केएन सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश पर सत्र 2020 से सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है, जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है। नए पाठ्यक्रम के अनुसार कुछ विषयों की पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है।

शिक्षकों से कहा गया है कि लॉक डाउन में मिले समय का सदुपयोग करते रहें और घर बैठे सेमेस्टर प्रणाली से संबंधित पाठ्यक्रम तैयार कर लें ताकि विश्वविद्यालय खुलते ही इसे अंतिम रूप दिया जा सके और सेमेस्टर प्रणाली को समय से लागू किया जा सके। इसके अलावा सेमेस्टर प्रणाली से जुड़ी अन्य औपचारिकताओं को भी समय से पूरा किए जाने का प्रयास चल रहा है और शिक्षकों को इस बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश भी भी दिए गए हैं।

अगली फोटो गैलरी देखें ›

विज्ञापन

अमर उजाला

SELECT

अमर उजाला www.amarujala.com प्रयागराज CITY 4

विवि के शिक्षक घर में बना रहे वीडियो लेक्चर

मुक्त विवि में अधिन्यास प्रश्न पत्र भी किए जा रहे तैयार, वेसबाइट पर अपलोड किए जाएंगे

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षक घर बैठे वीडियो लेक्चर तैयार कर रहे हैं। जैसे-जैसे लेक्चर तैयार हो रहे हैं, उन्हें यूट्यूब पर अपलोड किया जा रहा है। वहीं मुक्ति विश्वविद्यालय के शिक्षक घर बैठे अधिन्यास प्रश्नपत्र (एसाइनमेंट पेपर) भी तैयार करेंगे, ताकि विश्वविद्यालय खुलते ही इसे वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। विश्वद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से शिक्षकों से संवाद के दौरान कहा कि सभी विषयों के शिक्षक लॉक डाउन के दौरान अपने घरों में रहकर वीडियो लेक्चर तैयार कर लें। कुछ शिक्षकों ने वीडियो लेक्चर तैयार किए हैं, जिन्हें यूट्यूब पर अपलोड कर दिया गया है। मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी यूट्यूब पर लेक्चर सुनकर आगामी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं। इससे प्रदेश भर में विश्वविद्यालय के 50 हजार से अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। कुलपति ने शिक्षकों से कहा है कि लॉक डाउन में पाठ्य सामग्री लेखन का कार्य प्राथमिकता के आधार पूरा कर लें। इसके अलावा आगामी जून-2020 की वार्षिक परीक्षा और बीएड सामान्य/विशेष प्रवेश परीक्षा से संबंधित जो तैयारियां घर बैठे की जा सकती हैं, उन्हें लॉक डाउन में पूरा करने को कहा है। जैसे, प्रवेश परीक्षा के लिए अब तक कितने अभ्यर्थियों ने आवेदन किए या वार्षिक परीक्षा के लिए किन विषयों के प्रश्नपत्र तैयार किए जाने बाकी हैं। जिनविषयों के प्रश्नपत्र नहीं बनाए गए हैं, उन्हें तैयार कर लिया जाए। बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए आए आवेदनों को हिसाब-किताब रखा जाए ताकि विश्वविद्यालय खुलते ही केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए और प्रवेश परीक्षा समय से कराई जा सके।

कुलपति ने शिक्षकों से कहा कि इस वर्ष नैक ग्रेडिंग के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में शिक्षक घर बैठे इसके लिए जो तैयारी कर सकते हैं, वह पूरी कर लें। विभिन्न विषयों में जो पाठ्य सामग्री लिखना बाकी हो, उसे भी लॉकडाउन के दौरान पूरा करने का प्रयास करें, जिससे आगामी सत्र में निर्धारित समय सीमा में इसे वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके और शिक्षार्थियों तक इसके आसानी से पहुंचाया जा सके। जिससे वह आसानी से अपनी तैयारी कर सकें और उनको परीक्षा में कोई परेशानी ना हो।

वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 50 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली सोमवार 13 अप्रैल 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

लॉकडाउन में पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें: कुलपति

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ ने सोशल मीडिया के माध्यम से किया शिक्षकों से संवाद

(विनोद मिश्र)

प्रयागराज। लॉकडाउन का यह विषमकाल खंड अवकाश का नहीं, अपितु हम सभी के लिए चुनौती का कालखंड है। यह ऐसा कालखंड है, जब हम सभी अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग कर सकते हैं। अधिन्यास प्रश्न पत्र निर्माण, वीडियो लेक्चर की तैयारी, शिक्षार्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग के साथ ही संबंधित विषय की पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का संकल्प लें।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं से साझा किए।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष है, उसे इसी लॉकडाउन की अवधि में लिख लें, जिससे विश्वविद्यालय अपनी इस कालखंड की उपलब्धि से शासन को अवगत करा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय देश में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विगत वर्षों में विश्वविद्यालय को कई नए पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं, जिसके चलते शिक्षार्थियों का आकर्षण विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ा है। राष्ट्र एवं समाज की समसामयिक चुनौतियों को देखते हुए विश्वविद्यालय ने समयानुकूल पाठ्यक्रमों को क्रियान्वित करके राष्ट्रव्यापी ख्याति अर्जित किया है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि यह सर्वविदित है कि विगत वर्षों में नामांकन संख्या में वृद्धि एवं परीक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के साथ साथ समय से पाठ्य सामग्री प्रेषण में विश्वविद्यालय को शतप्रतिशत सफलता मिली है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस अप्रत्याशित परंतु अनिवार्य राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन में संपूर्ण प्रदेश में फैले हमारे छात्र वेबसाइट के माध्यम से पाठ सामग्री प्राप्त करने के साथसाथ यूट्यूब तथा ज़ूम एप्प के माध्यम से शिक्षकों के व्याख्यान से लाभान्वित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के शांतिपुरम फाफामऊ स्थित अपने आवासीय परिसर में रह रहे कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस विषम परिस्थिति में विश्वविद्यालय अपनी आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं यथा बिजली, सफाई एवं हरियाली को निरंतर बनाए हुए है। विश्वविद्यालय के सभी परिसरों एवं कक्षों को सैनिटाइज कराया गया है।

उन्होंने कहा कि इस आकस्मिक कोविड 19 से लड़ने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने अपने एक एक दिन का वेतन क्रमशः प्रधानमंत्री केयर फंड तथा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में देकर प्रदेश में प्रथम दाता के रूप में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अग्रसर की भूमिका निभाने का गौरव विश्वविद्यालय को दिया है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लॉकडाउन में अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग आगामी जून 2020 की वार्षिक परीक्षा तथा बीएड सामान्य/ विशेष की प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि सत्र 2020 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है। जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है। नए पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष हमने नैक कराने का भी संकल्प लिया है, जिसके लिए अपेक्षित सूचनाओं का संकलन भी चल रहा है। ऐसे समय में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों की भूमिका गुरुतर है। सभी सदस्यों का सहयोग इन सभी कार्यों में अपेक्षित है। विश्वविद्यालय के द्वारा मांगी गई सूचनाओं का अपेक्षित समय पर प्राप्त होना आवश्यक है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह ने सभी से अपेक्षा की कि इस आपद काल को अवसर समझकर ज़ूम एप्प तथा एस एम एस और व्हाट्सएप आदि से अपने शिक्षार्थियों का निर्देशन जारी रखें तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा मांगी गई सूचनाओं को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए यथा समय प्रेषित करते रहें। वांछित सूचनाओं की समय से प्राप्ति के अभाव में विश्वविद्यालय का कार्य पिछड़ सकता है। यह भी अपेक्षित है कि शिक्षक गण अपना व्याख्यान पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार करें, जिसकी रिकॉर्डिंग सामान्य स्थिति वापस होने पर हो सके। इस कालखंड में आगामी सत्र के लिए अपने अपने विषय के अधिन्यास प्रश्न पत्र भी तैयार कर लें एवं विश्वविद्यालय खुलते ही उसे वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु परीक्षा नियंत्रक को प्रेषित करें।

अमर उजाला

महानगर वर्ष 23 | अंक 298 पृष्ठ: 12 मूल्य: पांच रुपये

प्रयागराज सोमवार, 13 अप्रैल 2020 amarujala.com

खांसते-छींकते रखें मुंह पर तौलिया या रुमाल

खुद रहें स्वस्थ...दूसरों में न बांटें बीमारी

मुक्त विवि के शिक्षक घर बैठे बना रहे वीडियो लेक्चर

अधिन्यास प्रश्नपत्र भी किए जा रहे तैयार, विवि खुलते ही वेबसाइट पर किए जाएंगे अपलोड

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षक घर बैठे वीडियो लेक्चर तैयार कर रहे हैं। जैसे-जैसे लेक्चर तैयार हो रहे हैं, उन्हें यूट्यूब पर अपलोड किया जा रहा है। इतना ही नहीं शिक्षक घर बैठे अधिन्यास प्रश्नपत्र (एसाइनमेंट पेपर) भी तैयार करेंगे, ताकि विश्वविद्यालय खुलते ही इसे वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। विश्वद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से शिक्षकों से संवाद के दौरान कहा कि सभी विषयों के शिक्षक लॉक डाउन के दौरान अपने घरों में रहकर वीडियो लेक्चर तैयार कर लें। कई शिक्षकों ने वीडियो लेक्चर तैयार किए हैं, जिन्हें यूट्यूब पर अपलोड कर दिया गया है। मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी यूट्यूब पर लेक्चर सुनकर आगामी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं। इससे प्रदेश भर में विश्वविद्यालय के 50 हजार से अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

कुलपति ने शिक्षकों से किया ऑनलाइन संवाद, लॉक डाउन में जरूरी काम निपटाने के निर्देश

कुलपति ने शिक्षकों से कहा है कि लॉक डाउन में पाठ्य सामग्री लेखन का कार्य प्राथमिकता के आधार पूरा कर लें। इसके अलावा जून-2020 की वार्षिक परीक्षा और बीएड सामान्य/विशेष प्रवेश परीक्षा से संबंधित तैयारियों को भी लॉक डाउन में पूरा करने को कहा है।

जैसे, प्रवेश परीक्षा के लिए अब तक कितने अभ्यर्थियों ने आवेदन किए या वार्षिक परीक्षा के लिए किन विषयों के प्रश्नपत्र तैयार किए जाने बाकी हैं। जिन विषयों के प्रश्नपत्र नहीं बनाए गए हैं, उन्हें तैयार कर लिया जाए।

इलाहाबाद सोमवार 13 अप्रैल 2020

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष 13
अंक 216

पृष्ठ 4, मूल्य एक रुपया

लॉक डाउन में पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें-कुलपति

प्रयागराज। लॉकडाउन का यह विषमकाल खंड अवकाश का नहीं, अपितु हम सभी के लिए चुनौती का कालखंड है। यह ऐसा कालखंड है, जब हम सभी अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग कर सकते है। अधिन्यास प्रश्न पत्र निर्माण, वीडियो लेक्चर की तैयारी, शिक्षार्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग के साथ ही संबंधित विषय की पाठ्य सामग्री लेखन को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का संकल्प लें। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं से साझा किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जो पाठ्य सामग्री लिखना शेष हो, उसे इसी लॉकडाउन की अवधि मे लिख ले, जिससे विश्वविद्यालय अपनी इस कालखंड की उपलब्धि से शासन को अवगत करा सके। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय देश में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र मे गुणात्मक परिवर्तन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विगत वर्षों मे विश्वविद्यालय को कई नए पाठ्यक्रम प्रदान किए है, जिसके चलते शिक्षार्थियों का आकर्षण विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ा

है। राष्ट्र एवं समाज की समसामयिक चुनौतियों को देखते हुए विश्वविद्यालय ने समयानुकूल पाठ्यक्रमों को क्रियान्वित करके राष्ट्रव्यापी ख्याति अर्जित किया है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि यह सर्वविदित है कि विगत वर्षों मे नामांकन संख्या मे वृद्धि एव परीक्षा मे गुणात्मक परिवर्तन के साथ– साथ समय से पाठ्य सामग्री प्रेषण में विश्वविद्यालय को शत–प्रतिशत सफलता मिली है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस अप्रत्याशित परंतु अनिवार्य राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन मे संपूर्ण प्रदेश मे फैले हमारे छात्र वेबसाइट के माध्यम से पाठ सामग्री प्राप्त करने के साथ–साथ यूट्यूब तथा जूम एप्प के माध्यम से शिक्षकों के व्याख्यान से लाभान्वित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के शांतिपुरम फाफामऊ स्थित अपने आवासीय परिसर मे रह रहे कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस विषम परिस्थिति में विश्वविद्यालय अपनी आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं यथा बिजली, सफाई एवं हरियाली को निरंतर बनाए हुए है। विश्वविद्यालय के सभी परिसरों एवं कक्षों को सैनिटाइज कराया गया है। उन्होंने कहा कि इस आकस्मिक कोविड –19 से लड़ने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने अपने एक – एक दिन का वेतन क्रमशः प्रधानमंत्री केयर फंड तथा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड मे देकर प्रदेश मे प्रथम दाता के रूप में प्रदेश के विश्वविद्यालयों मे अग्रेसर की भूमिका निभाने का गौरव विश्वविद्यालयों को दिया है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लॉकडाउन मे अपनी क्षमता एवं दक्षता का अनुकूलतम उपयोग आगामी जून 2020 की वार्षिक परीक्षा तथा बीएड सामान्य विशेष की प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि सत्र 2020 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू होनी है। जिसके लिए नई विवरणिका तैयार हो रही है। नए पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के छपने का कार्य प्रगति पर है। उन्होने बताया कि इसी वर्ष हमने नैक कराने का भी संकल्प लिया है, जिसके लिए अपेक्षित सूचनाओं का संकलन भी चल रहा है। ऐसे समय में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों की भूमिका गुरुतर है। सभी सदस्यों का सहयोग इन सभी कार्यों मे अपेक्षित है। विश्वविद्यालय के द्वारा मांगी गई सूचनाओं का अपेक्षित समय पर प्राप्त होना आवश्यक है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह ने सभी से अपेक्षा की कि इस आपद काल को अवसर समझकर जूम एप्प तथा एस एम एस और व्हाट्सएप आदि से अपने शिक्षार्थियों का निर्देशन जारी रखें तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा मांगी गई सूचनाओं को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए यथा समय प्रेषित करते रहे। वांछित सूचनाओं की समय से प्राप्ति के अभाव मे विश्वविद्यालय का कार्य पिछड़ सकता है। यह भी अपेक्षित है कि शिक्षक गण अपना व्याख्यान पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार करें, जिसकी रिकॉर्डिंग सामान्य स्थिति वापस होने पर हो सके। इस कालखंड में आगामी सत्र के लिए अपने– अपने विषय के अधिन्यास प्रश्न पत्र भी तैयार कर लें एवं विश्वविद्यालय खुलते ही उसे वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु परीक्षा नियंत्रक को प्रेषित करें। विभिन्न विषयों मे जो पाठ्य सामग्री लिखना अवशेष हो उसे भी लॉकडाउन के दरमियान पूरा करने का प्रयास करें, जिससे आगामी सत्र में यथा समय इसे वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके और शिक्षार्थियों तक सुलभ बनाया जा सके। इस विषम स्थिति में विश्वविद्यालय मुख्यालय छोड़ने से पहले विश्वविद्यालय को सूचित करें एवं अपना फोन कदापि बंद ना करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग एवं समन्वय से इस लॉक डाउन के कालखंड को अवसर समझकर स्वास्थ्य विभाग एवं शासन के निर्देशों का पालन करते हुए हम घर बैठे आवश्यक कार्यों को संपादित करते रहेंगे तथा विश्वविद्यालय के गुणात्मक शिक्षा स्तर मे वांछित परिवर्तन करने मे सक्षम एवं समर्थ सिद्ध होंगे।

इलाहाबाद सोमवार 13 अप्रैल 2020

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष 13
अंक 216

पृष्ठ 4, मूल्य एक रुपया

नए सत्र से लागू होगी सेमेस्टर प्रणाली

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र 2020–21 में बड़ा बदलाव किए जाने की तैयारी चल रही है। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में स्थापित अध्ययन केंद्रों में अब वार्षिक परीक्षा की जगह सेमेस्टर प्रणाली लागू किया जाएगा। इसमें एक वर्ष की जगह अब छह–छह माह में परीक्षाएं होंगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देशभर के मुक्त विश्वविद्यालयों को ओपेन यूनिवर्सिटी रेगुलेशन 2018 के तहत सेमेस्टर कार्य परिषद की पिछली बैठक में इसे सर्वसम्मति से मंजूरी भी मिल गई। ऐसे में अब शैक्षणिक सत्र 2020–21 में सेमेस्टर प्रणाली लागू हो जाएगी। हालांकि, पूर्व में दाखिला ले चुके शिक्षार्थियों को वार्षिक परीक्षा में ही हिस्सा लेना पड़ेगा। जबकि नवप्रवेशी को प्रत्येक छह माह पर परीक्षा देनी पड़ेगी। खास बात तो यह है कि यह प्रणाली स्नातक की परीक्षा में भी लागू किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की मंशा के अनुरूप स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली नए सत्र से शुरू किया जा रहा है। इसके लिए 80 फीसद पाठ्यक्रम भी तैयार कर लिया गया है। यह नई व्यवस्था उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में स्थापित कुल 1000 अध्ययन केंद्रों के अलावा 12 क्षेत्रीय केंद्रों पर लागू होगी। इसके बारे में सभी केंद्रों को जानकारी भी दे दी गई है। सेमेस्टर प्रणाली लागू करने के साथ विधि की विवरणिका में भी बदलाव किया जा रहा है। अब तक 80 फीसद पाठ्यक्रम भी तैयार कर लिया गया है। कुछ कार्य बचे है, उसे भी जल्द खत्म करने की कवायद चल रही है।

UP PLUS

For advertisement Please Contact Us: UP PLUS

Teachers interacted through social media – Vice Chancellor

Prayagraj – This odd period of lockdown is not a period of leisure, but a period of challenge for all of us. This is a period when we all can use our potential and efficiency optimally. Take a pledge to complete the assignment question paper preparation, preparation of video lecture, online counseling of the learners as well as writing the content of the related subject on priority basis.The above examples were shared by Prof. Kameshwar Nath Singh, Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, through social media and shared it with the teachers and counselors of the university.Professor Singh said that whatever text is left to be written, write it during this lockdown period, so that the university can inform the government about the achievement of this period. He said that Uttar Pradesh's only Open University is constantly trying for qualitative change in the field of open education in the country. University Grants Commission has provided many new courses to the university in the past, due to which the attraction of the learners is huge towards the university. In view of the contemporary challenges of the nation and society, the university has earned a nationwide reputation by implementing timely courses.Vice-Chancellor Professor Singh said that it is well known that with the increase in enrollment numbers and qualitative changes in the exam in the past years, the university has achieved 100 percent success in dispatching the course material in time.Professor Singh said that in this unexpected but inevitable nationwide lockdown, our students are benefiting from the lectures of teachers through YouTube and Zoom app along with getting the lesson material through the website spread across the state.Vice-Chancellor Professor Singh, living in his residential campus at Shantipuram Phaphamau of the university, said that the university is constantly maintaining its essential infrastructure facilities such as electricity, cleanliness and greenery in this adverse situation. All the campuses and halls of the university have been sanitized.He said that to fight this accidental Kovid-19, the members of the university family gave their one-day salary to the Prime Minister's Care Fund and Chief Minister's

UP PLUS

For advertisement Please Contact Us: UP PLUS

Relief Fund respectively to play the role of forwarder in the universities of the state as the first donor in the state Has given the distinction of to universities. Professor Singh said that optimum use of his ability and efficiency in lockdown should be done for the preparation of the upcoming examination for the upcoming June 2020 annual examination and B.Ed general / special. Vice Chancellor Professor Singh said that from the session 2020, the semester system is to be implemented as per the instructions of the University Grants Commission. For which a new brochure is being prepared. According to the new syllabus, printing of books is in progress. He told that in the same year we have also pledged to conduct a Naik, for which the compilation of required information is also going on. At such a time, the role of teachers, officers, employees of the university is greater. The cooperation of all the members is required in all these activities. The information sought by the university is required to be received at the required time. Media in-charge Dr. Prabhat Chandra Mishra said that Vice Chancellor Professor Singh expected everyone to consider this disaster time as an opportunity to continue directing their learners with the Zoom app and SMS and WhatsApp etc. and the information sought by various departments of the university Keeping top priority, keep sending time as you like. In the absence of timely receipt of the desired information, the work of the university can be lagged behind. It is also expected that the teacher should prepare his lecture according to the syllabus, which can be recorded when the normalcy is returned. For the upcoming session in this period, prepare the exam question papers of your subject and send it to the Controller of Examinations to upload it on the website as soon as the university opens. Try to complete the textual material which is to be written in various subjects during lockdown, so that it can be uploaded on the website and made accessible to the learners as soon as possible in the upcoming session. Before leaving the university headquarters in this odd situation, inform the university and never turn off your phone. Vice Chancellor Professor Singh expressed the belief that with the cooperation and coordination of all, considering the time period of this lock-down as an opportunity, we will continue to perform the necessary tasks sitting at home and following the instructions of the health department and desired changes in the qualitative education level of the university Will be able and capable of doing.

Breaking News State News

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

14 अप्रैल, 2020

भारतीय संविधान निर्माता, बाबा साहेब

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर की 129वीं जयन्ती के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

आप सभी अवगत है कि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय परिवार प्रति वर्ष 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर की जयन्ती धूमधाम से मनाता रहा है। परन्तु इस वर्ष 22 मार्च, 2020 के जनता कर्फ्यू से लेकर अद्यतन चल रहे लाक डाउन के चलते सामूहिक रूप से आंबेडकर जयन्ती मनाया जाना सम्भव नहीं हो सका। विश्वविद्यालय परिवार की बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर के प्रति असीम आस्था है। आज मैं स्वयं सोशल डिस्टेंसिंग को बनाये रखते हुए बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण विश्वविद्यालय परिसर में किया।

सुविज्ञ है कि विश्व व्यापी कोरोना महामारी से निपटने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बनाये रखने के लिए भारत के सामूहिक संकल्प को मूर्ति रूप देना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धाजंलि है। भारत के संविधान के रचयिता बाबा साहब ने संविधान की प्रस्तावना के प्रारम्भ में ''हम भारत के लोग'' शब्दावली को शामिल करते हुए राष्ट्र की सामूहिक उर्जा को जागृत किया था, जो हम सभी के लिए राष्ट्र निर्माण हेतु उर्जा का पुंज है। संविधान की प्रस्तावना में शामिल ''हम भारत के लोग'' को मुर्त रूप देने के लिए आज हम सभी को जाति, भाषा, क्षेत्र एवं सम्प्रदाय से उपर उठकर समाजहित एवं राष्ट्रहित में सोशल डिस्टेंसिंग को व्यवहार में अपनाते हुए तथा समाज के प्रति समता और ममता का भाव रखते हुए संकल्प शक्ति जगाने का सही समय है।

मेरी आप सभी से अपील है कि आप अपने आवास पर रहते हुए संविधान के रचयिता बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करे।

सोशल डिस्टेंसिंग को बनाये रखते हुए बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर के प्रतिमा पर विश्वविद्यालय परिसर में माल्यार्पण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

भारतीय सविंधान निर्माता, बाबा साहेब

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

सोशल डिस्टेंसिंग को बनाये रखते हुए
बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर के प्रतिमा पर
विश्वविद्यालय परिसर में माल्यार्पण करते हुए
माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह
एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
14 अप्रैल, 2020

प्रो०कामेश्वर नाथ सिंह
कुलपति

Prof. Kameshwar Nath Singh
Vice Chancellor

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY
Tel: +91 532 2447028 (O)
Fax: +91 532 2447032
e-mail. : vcuprtou@yahoo.co.in
e-mail. : knsinghgeo@gmail.com

दिनांक 14 अप्रैल, 2020

अपील

भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर की 129वीं जयन्ती के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

आप सभी अवगत है कि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय परिवार प्रति वर्ष 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर की जयन्ती धूमधाम से मनाता रहा है। परन्तु इस वर्ष 22 मार्च, 2020 के जनता कर्फ्यू से लेकर अद्यतन चल रहे लाक डाउन के चलते सामूहिक रूप से आंबेडकर जयन्ती मनाया जाना सम्भव नहीं हो सका। विश्वविद्यालय परिवार की बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर के प्रति असीम आस्था है। आज मैं स्वयं सोशल डिस्टेंसिंग को बनाये रखते हुए बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण विश्वविद्यालय परिसर में किया।

सुविज्ञ है कि विश्व व्यापी कोरोना महामारी से निपटने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बनाये रखने के लिए भारत के सामूहिक संकल्प को मूर्ति रूप देना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धाजंलि है। भारत के संविधान के रचयिता बाबा साहब ने संविधान की प्रस्तावना के प्रारम्भ में "हम भारत के लोग" शब्दावली को शामिल करते हुए राष्ट्र की सामूहिक उर्जा को जागृत किया था, जो हम सभी के लिए राष्ट्र निर्माण हेतु उर्जा का पुंज है। संविधान की प्रस्तावना में शामिल "हम भारत के लोग" को मुर्त रूप देने के लिए आज हम सभी को जाति, भाषा, क्षेत्र एवं सम्प्रदाय से उपर उठकर समाजहित एवं राष्ट्रहित में सोशल डिस्टेंसिंग को व्यवहार में अपनाते हुए तथा समाज के प्रति समता और ममता का भाव रखते हुए संकल्प शक्ति जगाने का सही समय है।

मेरी आप सभी से अपील है कि आप अपने आवास पर रहते हुए संविधान के रचयिता बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करे।

भवदीय

(प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह)

University Campus, Shantipuram (Sector-F), Phaphamau, Prayagraj -211021, U.P., India.
website : www.uprtou.ac.in

प्रयागराज, बुधवार, 15 अप्रैल, 2020
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

मुक्त विश्वविद्यालय ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को किया याद

जनसंदेश न्यूज

नैनी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से कहा कि विश्वविद्यालय परिवार की बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति असीम आस्था है। उन्होंने कहा कि आप सभी सुविज्ञ हैं कि विश्वव्यापी कोरोना जनित महामारी से निपटने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए भारत के सामूहिक संकल्प को मूर्त रूप देना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

डा. भीमराव अम्बेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए

उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के रचयिता बाबा साहब ने संविधान की प्रस्तावना के प्रारंभ में 'हम भारत के लोग' शब्दावली को शामिल करते हुए राष्ट्र की सामूहिक ऊर्जा को जागृत किया था, जो हम सभी के लिए राष्ट्र निर्माण हेतु ऊर्जा का पुंज है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में शामिल रहम भारत के लोगर को मूर्त रूप देने के लिए आज हम सभी को जाति, भाषा, क्षेत्र एवं संप्रदाय से ऊपर उठकर समाज एवं राष्ट्र हित में सोशल डिस्टेंसिंग को व्यवहार में अपनायें। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति समता और ममता का भाव रखते हुए संकल्प शक्ति जगाने का यही सही समय है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों से अपील की कि वे अपने अपने आवास पर डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह की इस अपील पर कुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, निदेशक गण, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित कर के कुलपति प्रोफेसर सिंह के निदेशों का पालन किया।

विश्व आई न्यूज़
बरेली, बुधवार, 15 अप्रैल 2020

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय 3 मई तक बंद

प्रयागराज-उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को 3 मई तक बंद कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा0 अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉकडाउन की अवधि 3 मई तक बढ़ाने के निर्णय के अनुपालन में विश्वविद्यालय को आगामी 3 मई तक बंद कर दिया गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की है कि लॉकडाउन की इस अवधि में वे अपना मोबाइल फोन ऑन रखें जिससे आवश्यकता पड़ने पर उनसे तात्परता से संपर्क स्थापित किया जा सके।

विश्व आइ न्यूज ब्यूरो

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
DAVP से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त
सदभावना का प्रतीक
वर्ष -09, अंक 336 बस्ती, बुधवार 15 अप्रैल 2020, पृष्ठ - 8, मूल्य - 1.50 R.N.I. No. : UPHIN/2011/38359

आरोग्य सेतु एप अपनाएं मुविवि के शिक्षक-कुलसचिव

प्रयागराज आज हमारा देश ही नहीं वरन संपूर्ण विश्व कोरोना विषाणु जनित महामारी से जूझ रहा है, क्योंकि इस बीमारी का अभी तक कोई प्रमाणिक इलाज या औषधि उपलब्ध नहीं है। ऐसे में इसके प्रकोप से बचने के लिए सुरक्षात्मक उपाय अत्यंत जरूरी है। इसी क्रम में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 21 दिन के लॉक डाउन की घोषणा की थी, जिसे उन्होंने 3 मई 2020 तक बढ़ा दिया है। उन्होंने सभी भारत वासियों से अपील की है कि सभी देशवासी आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करें तथा अपने सहयोगियों से भी अपील करें कि वह भी आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करें।

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, शिक्षकों, परामर्शदाताओं सहित विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों से अपील की है कि वे आरोग्य सेतु से जुड़ें और अन्य लोगों को भी जोड़कर कोरोना महामारी के विरुद्ध जागरूकता अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। कुलसचिव डॉ गुप्त ने अपील की है कि लॉक डाउन के दौरान घर में रहें। हाथों को बार-बार साबुन से साफ करें। खांसते और छींकते समय रुमाल का प्रयोग करें। यदि अति आवश्यक हो तो बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करें। सामाजिक दूरी बनाए रखें ।चेहरे को बार-बार न छुएं। सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। सामाजिक दूरी इस रोग की सबसे कारगर सावधानी है। इसके अलावा यदि खांसी, जुखाम, बुखार आदि के लक्षण प्रतीत हों तो शीघ्र डॉक्टर से संपर्क करें या हेल्पलाइन पर फोन करें।

डॉ गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर कोरोना महामारी के खिलाफ व्यापक तैयारी एवं सुरक्षात्मक उपाय किए गए हैं। विश्वविद्यालय परिसर में साफ-सफाई की पूर्ण व्यवस्था है। कैंपस को सैनिटाइज किया गया है।अति आवश्यक सेवा से जुड़े कर्मचारियों को मास्क सैनिटाइजर आदि उपलब्ध कराए गए हैं। इस कार्य में संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया विशेष सहयोग दे रहे हैं।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह सभी शिक्षकों से अपील कर चुके हैं कि वह घर से ही छात्रों की समस्याओं काऑनलाइन निस्तारण करें और यूट्यूब के लिए पाठ्य सामग्री तैयार करते रहें।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
DAVP से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त
सदभावना का प्रतीक
वर्ष -09, अंक 336 बस्ती, बुधवार 15 अप्रैल 2020, पृष्ठ - 8, मूल्य - 1.50 R.N.I. No. : UPHIN/2011/38359

मुक्त विश्वविद्यालय ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को किया याद

प्रयागराज उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से कहा कि विश्वविद्यालय परिवार की बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति असीम आस्था है। उन्होंने कहा कि आप सभी सुविज्ञ हैं कि विश्वव्यापी कोरोना जनित महामारी से निपटने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए भारत के सामूहिक संकल्प को मूर्त रूप देना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के रचयिता बाबा साहब ने संविधान की प्रस्तावना के प्रारंभ में 'हम भारत के लोग' शब्दावली को शामिल करते हुए राष्ट्र की सामूहिक ऊर्जा को जागृत किया था, जो हम सभी के लिए राष्ट्र निर्माण हेतु ऊर्जा का पुंज है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में शामिल "हम भारत के लोग" को मूर्त रूप देने के लिए आज हम सभी को जाति, भाषा, क्षेत्र एवं संप्रदाय से ऊपर उठकर समाज एवं राष्ट्र हित में सोशल डिस्टेंसिंग को व्यवहार में अपनायें। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति समता और ममता का भाव रखते हुए संकल्प शक्ति जगाने का यही सही समय है।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों से अपील की कि वे अपने अपने आवास पर डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह की इस अपील पर कुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, निदेशक गण, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित कर के कुलपति प्रोफेसर सिंह के निदेशों का पालन किया।

अमृत कलश टाइम्स

मुक्त विवि ने बाबा साहब भीमराव को किया याद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से कहा कि विश्वविद्यालय परिवार की बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति असीम आस्था है। उन्होंने कहा कि आप सभी सुविज्ञ हैं कि विश्वव्यापी कोरोना जनित महामारी से निपटने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए भारत के सामूहिक संकल्प को मूर्त रूप देना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के रचयिता बाबा साहब ने संविधान की प्रस्तावना के प्रारंभ में "हम भारत के लोग" शब्दावली को शामिल करते हुए राष्ट्र की सामूहिक ऊर्जा को जागृत किया था, जो हम सभी के लिए राष्ट्र निर्माण हेतु ऊर्जा का पुंज है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में शामिल "हम भारत के लोग" को मूर्त रूप देने के लिए आज हम सभी को जाति, भाषा, क्षेत्र एवं संप्रदाय से ऊपर उठकर समाज एवं राष्ट्र हित में सोशल डिस्टेंसिंग को व्यवहार में अपनायें। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति समता और ममता का भाव रखते हुए संकल्प शक्ति जगाने का यही सही समय है।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों से अपील की कि वे अपने अपने आवास पर डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह की इस अपील पर कुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, निदेशक गण, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित कर के कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देशों का पालन किया।

लखनऊ, बरेली व मुरादाबाद से प्रकाशित
अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, बुधवार, 15 अप्रैल 2020

बाबा साहब को किया याद

शिक्षण संस्थानों में आयोजित किए गए ऑनलाइन व्याख्यान

अमृत विचार लखनऊ

संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती के मौके पर शिक्षण संस्थानों में ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किए गए। अधिकांश संस्थानों में बाबा साहब की तस्वीर पर संस्थान के अधिकारियों की ओर से माल्यार्पण किया गया। बाबा साहब के जीवन से जुड़े व्याख्यान का आयोजन ऑनलाइन किया गया। मंगलवार को राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी (यूपीआरटीओयू) के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने तस्वीर पर मल्यार्पण कर बाबा साहेब को याद किया।, बीबीएयू के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने परिसर में लगी बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। वहीं डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। प्रो. पाठक ने कहा कि संविधान के निर्माण में बाबा साहेब ने जिस तरह से अपनी भूमिका निभयी भारत कभी उनके योगदान को भूल नहीं सकता है। वहीं प्रो. कामेश्वरनाथ ने कहा कि बाबा साहब संविधान के निर्माण के दौरान किसी के साथ भी भेदभाव नहीं रखा।

जयंती के अवसर पर एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय पाठक व यूपीआरटीओयू के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण किया। फोटो : अमृत विचार

बीबीएयू के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

दैनिक जागरण

वर्क फ्रॉम होम

घर से ही पूरा कर रहे विश्वविद्यालय का कार्य

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह • सौ. केएन सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह इन दिनों पूरी तरह से लॉकडाउन का पालन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय से संबंधित जो कार्य हैं उसे घर से लैपटाप पर ही पूरा कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों, प्रोफेसरों का एक वाट्सएप ग्रुप भी बनाया है, जिसके जरिए एक दूसरे से संवाद स्थापित करते रहते हैं। प्रो. सिंह ने कहा कि लॉकडाउन का पालन करके ही हम कोरोना जैसी महामारी से बच सकते हैं।

अमर उजाला प्रयागराज

मुविवि ने आंबेडकर को किया याद

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मुविवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने डॉ. आंबेडकर के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के रचयिता डॉ. आंबेडकर ने 'हम भारत के लोग' शब्दावली को शामिल करते हुए राष्ट्र की सामूहिक ऊर्जा को जागृत किया था। संकट के इस घड़ी में हमें इसी सामूहिक ऊर्जा के साथ कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से लड़ना होगा। कुलपति के अलावा कुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक आदि ने भी डॉ. आंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान लोगों ने संविधान के बारे में जानकारी दी।

---

14 Apr 2020

आनंदी मेल

उत्तर प्रदेश » प्रयागराज » राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय 3 मई तक बंद

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय 3 मई तक बंद

द्वारा Surya Mani Dubey -April 14, 2020 10:10 PM

Like 2

प्रयागराज,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को 3 मई तक बंद कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉकडाउन की अवधि 3 मई तक बढ़ाने के निर्णय के अनुपालन में विश्वविद्यालय को आगामी 3 मई तक बंद कर दिया गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की है कि लॉकडाउन की इस अवधि में वे अपना मोबाइल फोन ऑन रखें जिससे आवश्यकता पड़ने पर उनसे तत्परता से संपर्क स्थापित किया जा सके।

कोरोना को हराएं भारत को विजयी बनाएं

दैनिक भास्कर

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

लखनऊ संस्करण

For epaper → www.updainikbhaskar.com

मुक्त विश्वविद्यालय ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को किया याद

भास्कर न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से कहा कि विश्वविद्यालय परिवार की बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति असीम आस्था है। उन्होंने कहा कि आप सभी सुविज्ञ हैं कि विश्वव्यापी कोरोना जनित महामारी से निपटने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए भारत के सामूहिक संकल्प को मूर्त रूप देना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के रचयिता बाबा साहब ने संविधान की प्रस्तावना के प्रारंभ में 'हम भारत के लोग' शब्दावली को शामिल करते हुए राष्ट्र की सामूहिक ऊर्जा को जागृत किया था, जो हम सभी के लिए राष्ट्र निर्माण हेतु ऊर्जा का पुंज है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में शामिल ऽहम भारत के लोगऽ को मूर्त रूप देने के लिए आज हम सभी को जाति, भाषा, क्षेत्र एवं संप्रदाय से ऊपर उठकर समाज एवं राष्ट्र हित में सोशल डिस्टेंसिंग को व्यवहार में अपनायें। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति समता और ममता का भाव रखते हुए संकल्प शक्ति जगाने का यही सही समय है।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों से अपील की कि वे अपने अपने आवास पर डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह की इस अपील पर कुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, निदेशक गण, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित कर के कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देशों का पालन किया।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

वर्ष : 05 अंक : 114 प्रयागराज, बुधवार, 15 अप्रैल 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08 मूल्य : 1/ रुपया

वर्तमान समय समता और ममता के साथ संकल्प शक्ति जगाने का है–कुलपति

– जयंती पर मुक्त विश्वविद्यालय ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को किया याद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से कहा कि विश्वविद्यालय परिवार की बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति असीम आस्था है। उन्होंने कहा कि आप सभी सुविज्ञ हैं कि विश्वव्यापी कोरोना जनित महामारी से निपटने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए भारत के सामूहिक संकल्प को मूर्त रूप देना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के रचयिता बाबा साहब ने संविधान की प्रस्तावना के प्रारंभ में ऽहम भारत के लोगऽ शब्दावली को शामिल करते हुए राष्ट्र की सामूहिक ऊर्जा को जागृत किया था, जो हम सभी के लिए राष्ट्र निर्माण हेतु ऊर्जा का पुंज है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में शामिल ऽहम भारत के लोगऽ को मूर्त रूप देने के लिए आज हम सभी को जाति, भाषा, क्षेत्र एवं संप्रदाय से ऊपर उठकर समाज एवं राष्ट्र हित में सोशल डिस्टेंसिंग को व्यवहार में अपनाये। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति समता और ममता का भाव रखते हुए संकल्प शक्ति जगाने का यही सही समय है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों से अपील की कि वे अपने अपने आवास पर डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करें। कुलपति प्रोफेसर सिंह की इस अपील पर कुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, निदेशक गण, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित कर के कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देशों का पालन किया।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

वर्ष : 05 अंक : 114 प्रयागराज, बुधवार, 15 अप्रैल 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08 मूल्य : 1/ रुपया

आरोग्य सेतु एप अपनाएं मुविवि के सभी शिक्षक–कुलसचिव

प्रयागराज। आज हमारा देश ही नहीं वरन संपूर्ण विश्व कोरोना विषाणु जनित महामारी से जूझ रहा है, क्योंकि इस बीमारी का अभी तक कोई प्रमाणिक इलाज या औषधि उपलब्ध नहीं है। ऐसे में इसके प्रकोप से बचने के लिए सुरक्षात्मक उपाय अत्यंत जरूरी है। इसी क्रम में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 21 दिन के लॉक डाउन की घोषणा की थी, जिसे उन्होंने 3 मई 2020 तक बढ़ा दिया है। उन्होंने सभी भारत वासियों से अपील की है कि सभी देशवासी आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करें तथा अपने सहयोगियों से भी अपील करें कि वह भी आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करें। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, शिक्षकों, परामर्शदाताओं सहित विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों से अपील की है कि वे आरोग्य सेतु से जुड़े और अन्य लोगों को भी जोड़कर कोरोना महामारी के विरुद्ध जागरूकता अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। कुलसचिव डॉ गुप्ता ने अपील की है कि लॉक डाउन के दौरान घर में रहें। हाथों को बार-बार साबुन से साफ करें। खांसते और छींकते समय रूमाल का प्रयोग करें। यदि अति आवश्यक हो तो बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करें। सामाजिक दूरी बनाए रखें। चेहरे को बार-बार न छुएं। सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। सामाजिक दूरी इस रोग की सबसे कारगर सावधानी है। इसके अलावा यदि खांसी, जुकाम, बुखार आदि के लक्षण प्रतीत हो तो शीघ्र डॉक्टर से संपर्क करें या हेल्पलाइन पर फोन करें। डॉ गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर कोरोना महामारी के खिलाफ व्यापक तैयारी एवं सुरक्षात्मक उपाय किए गए हैं। विश्वविद्यालय परिसर में साफ-सफाई की पूर्ण व्यवस्था है। कैंपस को सैनिटाइज किया गया है। अति आवश्यक सेवा से जुड़े कर्मचारियों को मास्क सैनिटाइजर आदि उपलब्ध कराए गए हैं। इस कार्य में संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया विशेष सहयोग दे रहे हैं। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह सभी शिक्षकों से अपील कर चुके हैं कि वह घर से ही छात्रों की समस्याओं का ऑनलाइन निस्तारण करें और यूट्यूब के लिए पाठ्य सामग्री तैयार करते रहें।

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in
Email: thewomenexpress@gmail.com
Women Express
• वर्ष 8 • अंक 52 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली बुधवार 15 अप्रैल 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017

मुक्त विश्वविद्यालय ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को किया याद

(विनोद मिश्रा/वूमेन एक्सप्रेस)

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से कहा कि विश्वविद्यालय परिवार की बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति असीम आस्था है। उन्होंने कहा कि आप सभी सुविज्ञ हैं कि विश्वव्यापी कोरोना जनित महामारी से निपटने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए भारत के सामूहिक संकल्प को मूर्त रूप देना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के रचयिता बाबा साहब ने संविधान की प्रस्तावना के प्रारंभ में हम भारत के लोग शब्दावली को शामिल करते हुए राष्ट्र की सामूहिक ऊर्जा को जागृत किया था, जो हम सभी के लिए राष्ट्र निर्माण हेतु ऊर्जा का पुंज है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में शामिल हम भारत के लोग को मूर्त रूप देने के लिए आज हम सभी को जाति, भाषा, क्षेत्र एवं संप्रदाय से ऊपर उठकर समाज एवं राष्ट्र हित में सोशल डिस्टेंसिंग को व्यवहार में अपनायें। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति समता और ममता का भाव रखते हुए संकल्प शक्ति जगाने का यही सही समय है।

RNI No.-UPHIN/2012/44803 हिन्दी दैनिक Email : harbaatftp @gmail.com
हर बात
आपके साथ
वर्ष : 09 अंक : 85 फतेहपुर, बुधवार, 15 अप्रैल, 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
फतेहपुर
बुधवार, 15 अप्रैल, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को किया याद

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से कहा कि विश्वविद्यालय परिवार की बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति असीम आस्था है। उन्होंने कहा कि आप सभी सुविज्ञ है कि विश्वव्यापी कोरोना जनित महामारी से निपटने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए भारत के सामूहिक संकल्प को मूर्त रूप देना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के रचयिता बाबा साहब ने संविधान की प्रस्तावना के प्रारंभ में 'हम भारत के लोग' शब्दावली को शामिल करते हुए राष्ट्र की सामूहिक ऊर्जा को जागृत किया था, जो हम सभी के लिए राष्ट्र निर्माण हेतु ऊर्जा का पुंज है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में शामिल 'हम भारत के लोग' को मूर्त रूप देने के लिए आज हम सभी को जाति, भाषा, क्षेत्र एवं संप्रदाय से ऊपर उठकर समाज एवं राष्ट्र हित में सोशल डिस्टेंसिंग को व्यवहार में अपनायें। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति समता और ममता का भाव रखते हुए संकल्प शक्ति जगाने का यही सही समय है।मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि उन्हों ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों से अपील की कि वे अपने अपने आवास पर डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करें।

कुलपति प्रोफेसर सिंह की इस अपील पर कुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, निदेशक गण, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित कर के कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देशों का पालन किया।

RNI No.-UPHIN/2012/44803 हिन्दी दैनिक Email : harbaatftp @gmail.com
हर बात
आपके साथ
वर्ष : 09 अंक : 85 फतेहपुर, बुधवार, 15 अप्रैल, 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

आरोग्य सेतु एप अपनाएं मुविवि के शिक्षक-कुलसचिव

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। आज हमारा देश ही नही वरन संपूर्ण विश्व कोरोना विषाणु जनित महामारी से जूझ रहा है, क्योंकि इस बीमारी का अभी तक कोई प्रमाणिक इलाज या औषधि उपलब्ध नही है। ऐसे मे इसके प्रकोप से बचने के लिए सुरक्षात्मक उपाय अत्यंत जरूरी है। इसी क्रम मे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 दिन के लॉक डाउन की घोषणा की थी, जिसे उन्होंने 3 मई 2020 तक बढ़ा दिया है। उन्होंने सभी भारत वासियों से अपील की है कि सभी देशवासी आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करें तथा अपने सहयोगियों से भी अपील करें कि वह भी आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करें।इसी क्रम मे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, शिक्षकों, परामर्शदाताओं सहित विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों से अपील की है कि वे आरोग्य सेतु से जुड़ें और अन्य लोगों को भी जोड़कर कोरोना महामारी के विरुद्ध जागरूकता अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। कुलसचिव डॉ गुप्त ने अपील की है कि लॉक डाउन के दौरान घर मे रहें। हाथों को बार-बार साबुन से साफ करें। खांसते और छींकते समय रुमाल का प्रयोग करें। यदि अति आवश्यक हो तो बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करें। सामाजिक दूरी बनाए रखें। चेहरे को बार-बार न छुएं। सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। सामाजिक दूरी इस रोग की सबसे कारगर सावधानी है। इसके अलावा यदि खांसी, जुकाम, बुखार आदि के लक्षण प्रतीत हो तो शीघ्र डॉक्टर से संपर्क करें या हेल्पलाइन पर फोन करें।डॉ गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर कोरोना महामारी के खिलाफ व्यापक तैयारी एवं सुरक्षात्मक उपाय किए गए हैं। विश्वविद्यालय परिसर मे साफ-सफाई की पूर्ण व्यवस्था है। कैंपस को सैनिटाइज किया गया है।अति आवश्यक सेवा से जुड़े कर्मचारियों को मास्क सैनिटाइजर आदि उपलब्ध कराए गए है। इस कार्य मे संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया विशेष सहयोग दे रहे है।मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह सभी शिक्षकों से अपील कर चुके है कि वह घर से ही छात्रों की समस्याओं का ऑनलाइन निस्तारण करें और यूट्यूब के लिए पाठ्य सामग्री तैयार करते रहें।

मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
MUKTA CHINTAN
A News Bulletin of U. P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
"हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ"
अप्रैल 2020 मंगलवार 14 अप्रैल 2020

Prabhat Chandra Mishra

मुविवि में फंसे मजदूरों को स्वयंसेवी संस्था ने कराया भोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज के फाफामऊ स्थित सरस्वती परिसर में ऑडिटोरियम के निर्माण कार्य में लगे 20 मजदूरों को आज कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की प्रेरणा से समाजसेवी अनीता सिंह ने अन्न एवं राशन मुहैया कराया।विश्वविद्यालय के संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने इस कार्य के लिए स्वयंसेवी संगठनों से संपर्क साधा और इस कार्य में समाजसेवी अनीता सिंह ने आगे बढ़ते हुए मजदूरों के लिए भोजन की व्यवस्था कराई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह लगातार मजदूरों का ध्यान रख रहे हैं और उन्हें खाद्य सामग्री उपलब्ध करवा रहे हैं। इसी क्रम में आज डॉ भदौरिया की पहल पर जब अनीता सिंह और उनकी टीम के सदस्य विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में आए तो वहां मौजूद मजदूरों के चेहरे पर चमक आ गई। विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह ने स्वयंसेवी संस्था द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना की है।।

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in Email: thewomenexpress@gmail.com
Women Express tv
• वर्ष 8 • अंक 53 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली गुरुवार 16 अप्रैल 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

आरोग्य सेतु एप अपनाएं मुविवि के शिक्षकः कुलसचिव

(विनोद मिश्रा/वूमेन एक्सप्रेस)

प्रयागराज । आज हमारा देश ही नहीं वरन संपूर्ण विश्व कोरोना विषाणु जनित महामारी से जूझ रहा है, क्योंकि इस बीमारी का अभी तक कोई प्रमाणिक इलाज या औषधि उपलब्ध नहीं है। ऐसे में इसके प्रकोप से बचने के लिए सुरक्षात्मक उपाय अत्यंत जरूरी है। इसी क्रम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 दिन के लॉक डाउन की घोषणा की थी, जिसे उन्होंने 3 मई 2020 तक बढ़ा दिया है। उन्होंने सभी भारत वासियों से अपील की है कि सभी देशवासी आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करें तथा अपने सहयोगियों से भी अपील करें कि वह भी आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करें। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, शिक्षकों, परामर्शदाताओं सहित विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों से अपील की है कि वे आरोग्य सेतु से जुड़ें और अन्य लोगों को भी जोड़कर कोरोना महामारी के विरुद्ध जागरूकता अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित

करें। कुलसचिव डॉ गुप्त ने अपील की है कि लॉक डाउन के दौरान घर में रहें। हाथों को बारबार साबुन से साफ करें। खांसते और छींकते समय रुमाल का प्रयोग करें।

यदि अति आवश्यक हो तो बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करें। सामाजिक दूरी बनाए रखें ।चेहरे को बारबार न छुएं। सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। सामाजिक दूरी इस रोग की सबसे कारगर सावधानी है। इसके अलावा यदि खांसी, जुखाम, बुखार आदि के लक्षण प्रतीत हों तो शीघ्र डॉक्टर से संपर्क करें या हेल्पलाइन पर फोन करें। डॉ गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर कोरोना महामारी के खिलाफ व्यापक तैयारी एवं सुरक्षात्मक उपाय किए गए हैं। विश्वविद्यालय परिसर में साफसफाई की पूर्ण व्यवस्था है। कैंपस को सैनिटाइज किया गया है।अति आवश्यक सेवा से जुड़े कर्मचारियों को मास्क सैनिटाइजर आदि उपलब्ध कराए गए हैं। इस कार्य में संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया विशेष सहयोग दे रहे हैं। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह सभी शिक्षकों से अपील कर चुके हैं।

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in Email: thewomenexpress@gmail.com
Women Express tv
• वर्ष 8 • अंक 53 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली गुरुवार 16 अप्रैल 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

कोरोना से साक्षात्कार

तुम कौन हो कोरोना?
क्यों और कहाँ से आये हो?
क्यों मानवता के भक्षक बने हो?
आसुरी शक्तियों के रक्षक बने हो।
तुम प्रकृति की उपज हो या
मानव का अनुसंधान हो।
या विधाता का गढ़ा हुआ कोई अन्तरिम विधान हो।
तुम काल हो, विकराल हो।
मानवता के समक्ष एक बड़ा सवाल हो।
बताओ, तुम कौन हो?
रे पाखडी, दम्भी मानव,
दया, धर्म, परोपकार एवं प्रेम को सरे आम बेचते हो।
हिंसा, अधर्म एवं अन्याय के बाग को वासना के जल से सींचते हो।
मानवता एवं विश्व बंधुत्व तेरा स्वार्थ यन्त्रा है।
लोलुपता और आधिपत्य तेरा मूल मन्त्रा है।
मानवता के विनाश के आरोप मुझ पर लगाते हो।
जो तुमने पृथ्वीजनो के लिए किया, वह भूल जाते हो।
कितने युद्ध किये, कितने निंदोषों को मारा है।
कितने धर्म गढे है तुमने,कितने लोगों को तारा है।
हे मानव, तुझे ईश्वर ने बनाया है।
प्रकृति के साथ सुखपूर्वक जीना सिखाया है।
अब तू ईश्वर को बना रहा है।
धर्म के नाम पर ईश्वर को खंडित किया है।
छलकपट से स्वयं की महिमा को मंडित किया है।
प्रकृति को अपने स्वार्थ हेतु दूषित किया है।
धन/सत्ता लोभ हेतु जन साधारण को शोषित किया है।
मै कौन हूँ, तू जान।
मै प्रकृति का एक सूक्ष्म संशोधन हूँ।
मानवता के लिए आत्मबोधन हूँ।
यद्यपि कतिपय चेतनशील जनों से संतुलन बना है।
पर भावी मानवजाति के आकाश में कोहरा घना है।
जीवन के मापदण्डों को बदल, तूने एक अहंकारी जीवन जिया है।
यह समय की चेतावनी है,
यह प्रकृति की अदृश्य प्रतिक्रिया है।
यह सुनकर मेरी आत्मा हिल गयी।
और अर्द्धरात्रि में मेरी नींद खुल गयी।

डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता
सम्प्रति कुलसचिव
उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

दैनिक जागरण
Prayagraj, Thursday, 16 April 2020
PRAYAGRAJ EDITION
www.inextlive.com
कोरोना की जंग में जीतेगा इंडिया | 05
सभी को देखनी चाहिए 'अनबिलीवेबल' | 07

सेफ्टी और हौसले का संदेश

टैलेंट अनलॉक्ड

prayagraj@inext.co.in

एक तरफ कोरोना वॉरियर्स हॉस्पिटल्स और सड़कों पर इससे लड़ाई में जुटे हुए हैं. वहीं दूसरी तरफ लॉकडाउन का पालन करते हुए घरों में बैठे हुए लोग भी उनका हौसला बढ़ा रहे हैं. कोई पेंटिंग्स से मैसेज दे रहा है तो कोई अपनी कविता से मनोबल बढ़ा रहा है.

कोरोना से साक्षात्कार

तुम कौन हो कोरोना?
क्यों और कहां से आए हो?
क्यों मानवता के भक्षक बने हो?
आसुरी शक्तियों के रक्षक बने हो.
तुम प्रकृति की उपज हो या मानवता का अनुसंधान हो?
या विधाता का गढ़ा हुआ कोई अंतरिम विधान हो
तुम काल हो, विकराल हो
मानवता के समक्ष एक बड़ा सवाल हो
बताओ, तुम कौन हो?
रे पाखंडी, दंभी मानव
दया, धर्म, परोपकार, एवं प्रेम को सरेआम बेचते हो
हिंसा, अधर्म एवं अन्याय के बाग को वासना को जल से सींचते हो
मानवता एवं विश्व बंधुत्व तेरा स्वार्थ यंत्र है
लोलुपता और आधिपत्य तेरा मूल मंत्र है
मानवता के विनाश के आरोप मुझपर लगाते हो
जो तुमने पृथ्वीजनों के लिए किया, वह भूल जाते हो.
कितने दिन युद्ध किए, कितने निर्दोषों को मारा है
कितने धर्म गढ़े है तुमने, कितने लोगों को तारा है
हे मानव, तुझे ईश्वर ने बनाया है
प्रकृति के साथ सुखपूर्वक जीना सिखाया है
अब तू ईश्वर को बना रहा है
धर्म के नाम पर ईश्वर खंडित किया है
छल-कपट से स्वयं की महिमा को मंडित किया है
प्रकृति को अपने स्वार्थ हेतु दूषित किया है
धन/सत्ता लोभ हेतु जन साधारण को शोषित किया है
मैं कौन हूं तू जान
मैं प्रकृति का एक सूक्ष्म संशोधन हूं
मानवता के लिए आत्मबोधन हूं
यद्यपि कतिपय चेतनशील जनों से संतुलन बना है
पर भावी मानव जाति के आकाश मे कोहरा घना है
जीवन के मापदंडों को बदल
तूने एक अहंकारी का जीवन जिया है
यह समय की चेतावनी है
यह प्रकृति की अदृश्य प्रतिक्रिया है
यह सुनकर मेरी आत्मा हिल गई
और अर्द्धरात्रि मे मेरी नींद खुल गई

डॉ. अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव, उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

कुदरत का खेल

क्या कुदरत ने अजब खेल खेला
कई पुरानी परंपराओं को इसने जीवन मे फिर ढकेला
जो मनुष्य पुरानी परंपराओं को भूल चुका
आज कुदरत ने उसे फिर याद दिलाया
पिंजड़े मे कैदकर रखा था कितनी जिंदगियों को
आज हमें ही कैद कर डाला
ये सड़कें, ये गलियां जो कभी भरी हुई रहती थी
आज इसे ही टापू बना डाला
जैसे थम सी गई हो जिंदगी
वक्त का पल एक सा नया हो
वीरान हो गई ये सड़कें
शायद अब वे खुश होंगे
नदिया, आसमान, वायु
जिसे हम प्रदूषित कर चुके थे
शायद अपने मन ही मन में खुश होंगे
जिनकी चेहरों की मुस्कान हमेशा के लिए चली गई थी
वे प्रकृति को धन्यवाद दे रहे होंगे
हे प्रिये जो तूने अजब खेल खेला
शायद इसी खेल ही हमें वर्षों से दरकार थी
आज हमें पूरी खुशी मिली.

शशांक पाठक

UPRTOU
मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
MUKTA CHINTAN
A News Bulletin of U. P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
"हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ"
अप्रैल 2020 मंगलवार 14 अप्रैल 2020

इलाहाबाद गुरुवार 16 अप्रैल 2020
अमृत कलश टाइम्स
वर्ष : 13
अंक : 219
पृष्ठ- 4, मूल्य:- एक रुपया

आरोग्य सेतु एप अपनाएं मुविवि के शिक्षक-कुलसचिव

प्रयागराज। देश ही नहीं वरन संपूर्ण विश्व कोरोना विषाणु जनित महामारी से जूझ रहा है, क्योंकि इस बीमारी का अभी तक कोई प्रमाणिक इलाज या औषधि उपलब्ध नहीं है। ऐसे में इसके प्रकोप से बचने के लिए सुरक्षात्मक उपाय अत्यंत जरूरी है। इसी क्रम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 दिन के लॉक डाउन की घोषणा की थी, जिसे उन्होंने 3 मई 2020 तक बढ़ा दिया है। उन्होंने सभी भारत वासियों से अपील की है कि सभी देशवासी आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करें तथा अपने सहयोगियों से भी अपील करें कि वह भी आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करें।

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, शिक्षकों, परामर्शदाताओं सहित विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों से अपील की है कि वे आरोग्य सेतु से जुड़ें और अन्य लोगों को भी जोड़कर कोरोना महामारी के विरुद्ध जागरूकता अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। कुलसचिव डॉ गुप्त ने अपील

की है कि लॉक डाउन के दौरान घर में रहें। हाथों को बार-बार साबुन से साफ करें। खांसते और छींकते समय रुमाल का प्रयोग करें। यदि अति आवश्यक हो तो बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करें। सामाजिक दूरी बनाए रखें ।चेहरे को बार-बार न छुएं। सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। सामाजिक दूरी इस रोग की सबसे कारगर साकधानी है। इसके अलावा यदि खांसी, जुखाम, बुखार आदि के लक्षण प्रतीत हों तो शीघ्र डॉक्टर से संपर्क करें या हेल्पलाइन पर फोन करें। डॉ गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर कोरोना महामारी के खिलाफ व्यापक तैयारी एवं सुरक्षात्मक उपाय किए गए हैं। विश्वविद्यालय परिसर में साफ-सफाई की पूर्ण व्यवस्था है। कैंपस को सैनिटाइज किया गया है।अति आवश्यक सेवा से जुड़े कर्मचारियों को मास्क सैनिटाइजर आदि उपलब्ध कराए गए हैं। इस कार्य में संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया विशेष सहयोग दे रहे हैं।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह सभी शिक्षकों से अपील कर चुके हैं कि वह घर से ही छात्रों की समस्याओं काऑनलाइन निस्तारण करें और यूट्यूब के लिए पाठ्य सामग्री तैयार करते रहें।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
सच का आधार

आरोग्य सेतु ऐप अपनाएं मुविवि के शिक्षक : कुलसचिव

प्रयागराज (हि.स.)। आज हमारा देश ही नहीं वरन सम्पूर्ण विश्व कोरोना विषाणु जनित महामारी से जूझ रहा है, क्योंकि इस बीमारी का अभी तक कोई प्रमाणिक इलाज या औषधि उपलब्ध नहीं है। ऐसे में इसके प्रकोप से बचने के लिए सुरक्षात्मक उपाय अत्यंत जरूरी है।

इसी क्रम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 दिन के लॉकडाउन की घोषणा की थी, जिसे तीन मई तक बढ़ा दिया है। उन्होंने सभी भारतवासियों से अपील की है कि सभी देशवासी आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करें तथा अपने सहयोगियों से भी अपील करें कि वह भी आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करें। जिसके क्रम में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, शिक्षकों, परामर्शदाताओं सहित विवि के सभी कर्मचारियों से अपील की है कि वे आरोग्य सेतु से जुड़ें और अन्य लोगों को भी जोड़कर कोरोना महामारी के विरुद्ध जागरूकता अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने अपील की है कि सामाजिक दूरी बनाए रखें। सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। सामाजिक दूरी इस रोग की सबसे कारगर सावधानी है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि विवि स्तर पर कोरोना महामारी के खिलाफ व्यापक तैयारी एवं सुरक्षात्मक उपाय किए गए हैं। विवि परिसर में साफ सफाई की पूर्ण व्यवस्था है। कैंपस को सैनिटाइज किया गया है।अति आवश्यक सेवा से जुड़े कर्मचारियों को मास्क सैनिटाइजर आदि उपलब्ध कराए गए हैं। इस कार्य में संपत्ति अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया विशेष सहयोग दे रहे हैं। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह सभी शिक्षकों से अपील कर चुके हैं कि वह घर से ही छात्रों की समस्याओं काऑनलाइन निस्तारण करें और यूट्यूब के लिए पाठ्य सामग्री तैयार करते रहें।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
वर्ष : 05 अंक : 115 प्रयागराज, गुरुवार, 16 अप्रैल 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08 मूल्य : 1/ रुपया

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय 3 मई तक बंद

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को 3 मई तक बंद कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉकडाउन की अवधि 3 मई तक बढ़ाने के निर्णय के अनुपालन में विश्वविद्यालय को आगामी 3 मई तक बंद कर दिया गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की है कि लॉकडाउन की इस अवधि में वे अपना मोबाइल फोन ऑन रखें जिससे आवश्यकता पड़ने पर उनसे तत्परता से संपर्क स्थापित किया जा सके।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय 3 मई तक बंद रहेगा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को 3 मई तक बंद कर दिया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने दी। लॉकडाउन की अवधि 3 मई तक बढ़ाने के निर्णय के अनुपालन में विश्वविद्यालय को आगामी 3 मई तक बंद कर दिया गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की है कि लॉकडाउन की इस अवधि में वे अपना मोबाइल फोन ऑन रखें जिससे आवश्यकता पड़ने पर उनसे तत्परता से संपर्क स्थापित किया जा सके।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

दिनांक 18 अप्रैल, 2020

अपील

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों से आरोग्य सेतु एप अपनाने हेतु अपील

कोरोना को हराना है — दैनिक जागरण www.jagran.com

लॉकडाउन में टॉप पर आरोग्य सेतु एप, ये हैं फायदे

कोविड-19 से निपटने के लिए लॉकडाउन के अलावा सरकारी स्तर पर कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे कि लोगों को इस वैश्विक महामारी से बचाया जा सके। ऐसी ही एक कोशिश है आरोग्य सेतु एप। केंद्र सरकार के मुताबिक यह एप कोरोना संक्रमण से बचाव में मदद करता है। यही कारण है कि एंड्राइड और एप्पल प्ले स्टोर्स से आरोग्य सेतु एप को सबसे ज्यादा डाउनलोड किया गया है। 24 मार्च को देश में लॉकडाउन लागू किया गया। जिसके बाद 3 अप्रैल को यह एप लांच किया गया। अब तक आरोग्य एप को 5 करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। वहीं देश में 8 से 14 अप्रैल के मध्य इस एप को 55 लाख से ज्यादा बार डाउनलोड किया गया। इसके जरिए आप आसपास कोरोना संक्रमित व्यक्ति के होने का पता कर सकते हैं। दूसरे स्थान पर जूम रहा जिसे 42 लाख लोगों ने डाउनलोड किया है।

5 करोड़
आरोग्य एप को अब तक इतने से ज्यादा बार किया गया डाउनलोड

इस तरह काम करता है यह एप

आरोग्य एप पूरी तरह से फ्री एप है। इसे एप्पल या एंड्राइड प्ले स्टोर से डाउनलोड करने के बाद आपको अपना मोबाइल नंबर रजिस्टर करना होगा। इसके बाद उस नंबर पर ओटीपी प्राप्त होगा, जिसे दर्ज करने के बाद ही आप इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। इसके बाद कुछ जरूरी सवाल पूछे जाएंगे, जिनमें उम्र, विदेश यात्रा का इतिहास और सर्दी, जुखाम और खांसी जैसे लक्षण होने के बारे में पूछा जाएगा। साथ ही एप के जरिए डायबिटीज और हाइपरटेंशन से जुड़े सवाल भी पूछे जाते हैं। इस एप के जरिए शारीरिक दूरी रखने के बारे में जानकारी दी जाएगी और इसके तरीकों को भी समझाया जाएगा। साथ ही कोरोना संक्रमण के मामलों की ताजा स्थिति के बारे में भी जानकारी मिलती रहेगी।

सबसे ज्यादा डाउनलोड हुआ आरोग्य एप

एंड्रॉयड और एप्पल स्टोर के आंकड़ों के अनुसार, आरोग्य सेतु एप को 8 अप्रैल से 14 अप्रैल के मध्य 55 लाख लोगों ने डाउनलोड किया है। वहीं पर वीडियोचैट और कांफ्रेंस एप जूम को डाउनलोड करने वालों की संख्या 42 लाख है। आरोग्य एप संक्रमण की कड़ी को तोड़ने की कोशिश है, वहीं जूम को डाउनलोड करने के पीछे घरों में बैठे भारतीयों द्वारा शारीरिक दूरी बनाए रखते हुए सामाजिक दूरी को कम करने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही घर से काम करने वाले लोग भी जूम के जरिए ऑफिस से जुड़े हुए हैं। जूम पिछले महीनों में सबसे ज्यादा डाउनलोड किया गया है। इसे महीने भर में करीब एक करोड़ 20 लाख लोगों से ज्यादा ने डाउनलोड किया है। साथ ही खुद को व्यस्त रखने की कोशिश में लूडो किंग, कैरम पूल और टिकटॉक जैसे एप भी बड़ी संख्या में डाउनलोड किए गए हैं। प्राइरी डाटा के अनुसार, वीडियो शेयरिंग एप यूवीडियो को सप्ताह भर में 21 लाख और गूगल पे को 22 लाख लोगों ने डाउनलोड किया है।

कोरोना संक्रमित से बचाव

इस एप की सबसे बड़ी खासियत है कि यह पता लगा सकता है कि आप किसी कोरोना संक्रमित रोगी अथवा कोरोना संक्रमण का शक होने वाले किसी व्यक्ति के पास तो नहीं है। इसके लिए आपको लोकेशन और ब्लूटूथ को ऑन रखना होगा। साथ ही लोकेशन शेयरिंग को ऑलवेज पर सेट करना होगा। इसके अतिरिक्त यदि आप किसी कोविड-19 संक्रमित व्यक्ति से मिले हैं तो एप के माध्यम से आपको निर्देश दिए जाएंगे। यदि आपको सेल्फ आइसोलेट होने की आवश्यकता है या आपमें लक्षण विकसित होते हैं तो यह एप आपकी सहायता करेगा।

मदद के लिए भी बढ़ा सकते हैं हाथ

इस एप पर आपसे पूछा जाएगा कि क्या आप जरूरत के वक्त स्वयंसेवक के रूप में अपनी सेवाएं देना पसंद करेंगे? आप यदि मदद करना चाहते हैं तो हां कर सकते हैं। साथ ही इस बीमारी से लड़ने के लिए आर्थिक मदद देना चाहते हैं तो इस एप पर जाकर पीएम केयर्स में आर्थिक मदद कर सकते हैं।

स्वास्थ्य और वीडियो चैट डाउनलोड में रहे आगे

(8 से 14 अप्रैल के मध्य के आंकड़े)

आरोग्य सेतु	55
जूम	42
लूडो किंग	38
कैरम पूल	28
टिक टॉक	26
गूगल पे	22
यूवीडियो	21
वॉट्सएप	18

(आंकड़े लाखों में)
एप्पल और एंड्राइड स्टोर के अनुसार आंकड़े

साभार
दैनिक जागरण

मेरी आप सभी से अपील है कि आप अपनी सुरक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु **आरोग्य सेतु एप** अवश्य डाउनलोड करें।

भवदीय

(प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह)
कुलपति,
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्याल, प्रयागराज

www.anandimail.in

आनंदी मेल

वर्ष-11 अंक- 220 (हिन्दी दैनिक) लखनऊ, सोमवार, 20 अप्रैल 2020 R.N.I No.UPHIN/2009/29300 पृष्ठ 8 मूल्य : 2 रुपए

यूपीआरटीयू : कोरोना से बचाव को क्षेत्रीय केंद्र चलाएं जन जागरूकता अभियान

संवाददाता, प्रयागराज। वर्तमान समय में न केवल भारत वरन संपूर्ण विश्व कोरोना वायरस कोविड - 19 के संकट से जूझ रहा है। अमेरिका, इटली, स्पेन, फ्रांस आदि पश्चिमी देशों ने इसके सामने घुटने टेक दिए हैं। इन देशों में इस महामारी ने विकराल रूप धारण कर लिया है इस महामारी से सुरक्षा एवं बचाव का एकमात्र साधन सामाजिक दूरी बनाए रखना है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस से निजात दिलाने के लिए 3 मई तक संपूर्ण भारत में लॉकडाउन घोषित किया है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने भी अपने स्तर पर इसके प्रसार को रोकने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश में मुक्त विश्वविद्यालय के प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, अयोध्या, मेरठ, गौतमबुद्ध नगर एवं आजमगढ़ में स्थापित 12 क्षेत्रीय केंद्रों के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों को यह निर्देश दिया गया है कि वह अपने स्तर पर लोगों को जागरूक बनाने के लिए अपील करें। डॉ गुप्ता ने कहा कि पूरे प्रदेश में स्थापित लगभग 1000 सक्रिय अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को भी जागरूकता कार्यक्रम में शामिल करने के लिए कहा गया है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह एवं कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्त ने सभी क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों एवं अध्ययन केंद्र समन्वयकों से अपील की है कि वे सरकार के बनाए नियमों का पालन करें। संकट की इस घड़ी में धैर्य रखें और दूसरों को भी घर में रहने तथा सामाजिक दूरी बनाए रखने के प्रति जागरूक करें। जरूरतमंदों की मदद करें। उन्होंने सभी कर्मचारियों एवं शिक्षकों से अनुरोध किया कि वह छात्र-छात्राओं को भी जन जागरूकता के लिए प्रेरित करें तथा आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करके इस अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने इस महासंग्राम के सच्चे योद्धा एवं देश सेवा में जान की बाजी लगाने वाले चिकित्सकों, पुलिस बल के जवानों, प्रशासनिक अधिकारियों, सफाई कर्मियों एवं मीडिया के प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि "हम सबका बस एक ही नारा, कोरोना मुक्त हो देश हमारा है।

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

लखनऊ, सोमवार, 20 अप्रैल, 2020

क्षेत्रीय केंद्र चलाएं जन जागरूकता अभियान

मुक्त विश्वविद्यालय ने केंद्र समन्वयकों से की अपील

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

वर्तमान समय में न केवल भारत वरन संपूर्ण विश्व कोरोना वायरस के संकट से जूझ रहा है। अमेरिकाए इटलीए स्पेनए फ्रांस आदि पश्चिमी देशों ने इसके सामने घुटने टेक दिए हैं। इन देशों में कोरोना महामारी ने विकराल रूप धारण कर लिया है। महामारी से सुरक्षा एवं बचाव का एकमात्र साधन सामाजिक दूरी बनाए रखना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस से निजात दिलाने के लिए 3 मई तक संपूर्ण भारत में लॉकडाउन घोषित किया है। ऐसे में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने अपने स्तर पर इसके प्रसार को रोकने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश में मुक्त विश्वविद्यालय के प्रयागराज लखनऊ बरेली वाराणसी गोरखपुर कानपुर झांसी आगरा अयोध्या मेरठ गौतमबुद्ध नगर एवं आजमगढ़ में स्थापित 12 क्षेत्रीय केंद्रों के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों को निर्देश दिया गया है कि वह अपने स्तर पर लोगों को जागरूक बनाने के लिए अपील करें। डॉ गुप्ता ने कहा कि पूरे प्रदेश में स्थापित लगभग एक हजार सक्रिय अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को भी जागरूकता कार्यक्रम में शामिल करने के लिए कहा गया है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह एवं कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्त ने क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों एवं अध्ययन केंद्र समन्वयकों से अपील की है कि वे सरकार के बनाए नियमों का पालन करें। संकट की घड़ी में धैर्य रखें और दूसरों को भी घर में रहने तथा सामाजिक दूरी बनाए रखने के प्रति जागरूक करें। जरूरतमंदों की मदद करें। उन्होंने सभी कर्मचारियों एवं शिक्षकों से अनुरोध किया कि वह छात्र.छात्राओं को भी जन जागरूकता के लिए प्रेरित करें तथा आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करके अभियान को सफल बनाएं। इस महासंग्राम के सच्चे योद्धा एवं देश सेवा में जान की बाजी लगाने वाले चिकित्सकों पुलिस बल के जवानों प्रशासनिक अधिकारियों सफाई कर्मियों एवं मीडिया के प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया है।

प्रयागराज, सोमवार 20, अप्रैल, 2020

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

मुक्त विवि क्षेत्रीय केंद्रों पर चलाएगा जन जागरूकता अभिययान

संवाददाता, प्रयागराज। आज न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व कोरोना वायरस कोविड - 19 के संकट से जूझ रहा है। अमेरिका, इटली, स्पेन, फ्रांस आदि पश्चिमी देशों ने इसके सामने घुटने टेक दिए हैं। इन देशों में इस महामारी ने विकराल रूप धारण कर लिया है इस महामारी से सुरक्षा एवं बचाव का एकमात्र साधन सामाजिक दूरी बनाए रखना है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस से निजात दिलाने के लिए 3 मई तक संपूर्ण भारत में लॉकडाउन घोषित किया है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने भी अपने स्तर पर इसके प्रसार को रोकने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश में मुक्त विश्वविद्यालय के प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, अयोध्या, मेरठ, गौतमबुद्ध नगर एवं आजमगढ़ में स्थापित 12 क्षेत्रीय केंद्रों के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों को यह निर्देश दिया गया है कि वह अपने स्तर पर लोगों को जागरूक बनाने के लिए अपील करें। डॉ गुप्ता ने कहा कि पूरे प्रदेश में स्थापित लगभग 1000 सक्रिय अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को भी जागरूकता कार्यक्रम में शामिल करने के लिए कहा गया है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह एवं कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्त ने सभी क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों एवं अध्ययन केंद्र समन्वयकों से अपील की है कि वे सरकार के बनाए नियमों का पालन करें। संकट की इस घड़ी में धैर्य रखें और दूसरों को भी घर में रहने तथा सामाजिक दूरी बनाए रखने के प्रति जागरूक करें। जरूरतमंदों की मदद करें। वह छात्र-छात्राओं को भी जन जागरूकता के लिए प्रेरित करें तथा आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करके इस अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने इस महासंग्राम के सच्चे योद्धा एवं देश सेवा में जान की बाजी लगाने वाले चिकित्सकों, सफाई कर्मियों एवं मीडिया के प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

hindustantimes

HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
MONDAY, APRIL 20, 2020

UPRTOU EXTENDS LAST DATE FOR BED APPLICATION

PRAYAGRAJ: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU), Prayagraj has again extended the date of application for BEd and BEd (Special Education) entrance examination till May 10. Prof Prem Prakash Dubey, coordinator BEd/BEd special education entrance examination-2020, said that last date for entrance examination and registration, and fee challan receipt/online fee transfer has been extended. Also, the last date for online application has been increased from April 30 to May 15. He said that similarly the last date for sending the hard copy of online application form has been increased from May 10 to May 20.

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

वर्ष : 05 अंक : 119 प्रयागराज, सोमवार, 20 अप्रैल 2020 विक्रम संवत 2076 प्रात: संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08 मूल्य : 1/ रुपया

मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड प्रवेश परीक्षा की तिथि बढ़ाई गई

– दोबारा लाक डाउन बढ़ने से विवि प्रशासन ने लिया निर्णय

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि एक बार फिर और आगे बढ़ा दी गई है। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देश में लॉकडाउन की अवधि दूसरी बार 3 मई 2020 तक बढ़ाए जाने के कारण यह निर्णय लिया गया है। बी एड्यबी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा 2020 के समन्वयक प्रो प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्तिऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि अब 10 मई तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल से बढ़ाकर 15 मई कर दी गई है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि 10 मई से बढ़ाकर 20 मई कर दी गई है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने अभ्यर्थियों को ऑनलाइन पंजीकरण कराने एवं शुल्क जमा करने में असुविधा होने के कारण प्रदेशभर के अभ्यर्थियों के आग्रह पर पूर्व निर्धारित तिथियों को पुनः विस्तारित करने की स्वीकृति प्रदान की। अब इन दोनों कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक प्रदेशभर के अभ्यर्थी 10 मई तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर सकते हैं। प्रवेश हेतु आवेदन एवं योग्यता से संबंधित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट नचतजवन.ब.पद पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियां बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी। डॉ मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों से अपनी सुरक्षा तथा राष्ट्र की सुरक्षा हेतु आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करने की अपील की है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोरोना को हराने के लिए आरोग्य सेतु एप अपनाना जरूरी है।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

20 अप्रैल, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में
कोविड–19
कोरोना जागरूकता कार्यक्रम का पाठ्यक्रम संचालित

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

मुविवि में कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम

अप्रत्याशित विश्वव्यापी महामारी कोविड–19 के प्रति जनसामान्य को जागरूक कारने की दृष्टि से उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा **कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम** चलाया जायेगा। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि आकस्मिक रूप से आई विश्वव्यापी यह महामारी आपदा प्रबन्धन की एक सर्वथा नई आयाम है, जिसके बारे में किसी को कोई कल्पना नहीं रही। परन्तु अब इस आकस्मिक महामारी ने भविष्य में इस प्रकार की महामारियों के आपद काल में पुष्ट प्रबन्धन के लिए सभी को सोचने को बाध्य कर दिया है। ज्ञातव्य है कि चीन के बुहान प्रान्त से प्रारम्भ यह बीमारी अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखी है एवं संक्रमित लोगों तथा काल कवलित हो रहे लोगों की संख्या रूकने का नाम नही ले रही है। इन देशों से अलग हटकर सूझबूझ एवं दूरदर्शिता का परिचय देते हुए भारत ने अभिनव प्रबन्धन करके आपदा प्रबन्धन को एक नया आयाम दिया है। कोविड–19 पाठ्यक्रम के अन्तर्गत कोरोना वायरस परिचय, कोरोना वायरस का इतिहास विकास, कोरोना का भौगोलिक, राजनैतिक आर्थिक आयाम तथा कोविड–19 आपदा प्रबन्धन आदि तथ्य प्रमुखता से रखे जायेंगे। कोविड–19 कोरोना जागरूकता कार्यक्रम का पाठ्यक्रम स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा संचालित होगा तथा इसकी अवधि तीन माह होगी।

प्रयागराज, मंगलवार
21 अप्रैल 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 12

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

केंद्र ने अपने हाथ में लिए चार राज्यों के 11 जिले 7
झुग्गियों के लिए शर्मिंदा हों डेवलपर : रतन टाटा 7

कोरोना को हराना है

4
दैनिक जागरण
प्रयागराज, 21 अप्रैल 2020
www.jagran.com

नए सत्र से पढ़ेंगे कोविड-19 का पाठ

सभी अध्ययन केंद्रों पर दाखिला ले सकेंगे शिक्षार्थी, कार्य परिषद बैठक में लिया निर्णय

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : चीन के वुहान से फैले महामारी कोविड-19 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने अपने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने का निर्णय लिया है। 15 मई से शुरू होने वाले नए सत्र से उत्तर प्रदेश के सभी अध्ययन केंद्रों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। तीन माह के जागरूकता पाठ्यक्रम को कई हिस्सों में बांटा गया है।

कुलपति ने बताया कि आकस्मिक रूप से आई विश्वव्यापी महामारी आपदा प्रबंधन का नया आयाम है, इसके बारे में किसी को कोई कल्पना नहीं रही। चीन के वुहान से फैली यह बीमारी अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखा है। ऐसे में इसके बारे में लोगों को अधिक जानकारी देने के लिए इसे पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। देशभर में लॉकडाउन के चलते इस प्रकरण को विद्वत परिषद और कार्य परिषद में भी नहीं ले जाया जा सका। ऐसे में कुलपति ने विशेषाधिकार का प्रयोग करते हुए ई-कान्फ्रेंस कर सदस्यों से इस पर प्रस्ताव मांगा।

03 माह का जागरूकता पाठ्यक्रम चलाने का भी लिया निर्णय

15 मई से शुरू कर दी जाएगी दाखिले की प्रक्रिया

15 मई से उत्तर प्रदेश के सभी अध्ययन केंद्रों में दाखिले की प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाएगी। पाठ्यक्रम में कोरोना वायरस परिचय, कोरोना वायरस का इतिहास और विकास, कोरोना का भौगोलिक, राजनैतिक व आर्थिक आयाम तथा कोविड-19 आपदा प्रबंधन आदि प्रमुखता से पढ़ाए जाएंगे। कोविड-19 कोरोना जागरूकता कार्यक्रम का पाठ्यक्रम स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की ओर से संचालित होगा।

यूपीआरटीओयू - फोटो : UPRTOU

"अप्रत्याशित विश्वव्यापी महामारी कोविड-19 के प्रति आम लोगों को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय ने नया पाठ्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है।
प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, मंगलवार, 21 अप्रैल 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

मुक्तविवि में संचालित होगा कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम

प्रयागराज।अप्रत्याशित विश्वव्यापी महामारी कोविड – 19 के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने की दृष्टि से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम चलाया जाएगा। यह जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने दी। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि आकस्मिक रूप से आई विश्वव्यापी यह महामारी आपदा प्रबंधन की एक सर्वथा नए आयाम है। जिसके बारे में किसी को कोई कल्पना नहीं रही, परंतु अब इस आकस्मिक महामारी ने भविष्य में इस प्रकार की महामारियों के आपदकाल में पुष्ट प्रबंधन के लिए सभी को सोचने को बाध्य कर दिया है। ज्ञातव्य है कि चीन के वुहान प्रांत से प्रारंभ इस बीमारी ने अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखा है एवं संक्रमित लोगों तथा काल कवलित हो रहे लोगों की संख्या रुकने का नाम नहीं ले रही है। इन देशों से अलग हटकर सूझबूझ एवं दूरदर्शिता का परिचय देते हुए भारत ने अभिनव प्रबंधन करके आपदा प्रबंधन को एक नया आयाम दिया है। कोविंद –19 पाठ्यक्रम के अंतर्गत कोरोना वायरस परिचय, कोरॉना वायरस का इतिहास, विकास, कोरोना का भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक आयाम तथा कोविद 19 आपदा प्रबंधन आदि तथ्य प्रमुखता से रखे जाएंगे। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा संचालित किया जाएगा। इसकी अवधि 3 माह होगी।

अमर उजाला

अमर उजाला प्रयागराज युवा 5

मुक्त विवि में होगी कोविड-19 की पढ़ाई

प्रयागराज(ब्यूरो)। वैश्विक महामारी कोविड-19 के प्रति जन सामान्य को जागरूक करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम चलाया जाएगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने दी।

कुलपति ने तीन माह का जागरूकता पाठ्यक्रम शुरु करने का लिया निर्णय

कुलपति का कहना है कि चीन के वुहान प्रांत से फैली इस बीमारी ने अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखा है। संक्रमित लोगों और इससे मरने वालों की संख्या रुकाने का नाम नहीं ले रही है। इन देशों से अलग हटकर सूझबूझ एवं दूरदर्शिता का परिचय देते हुए भारत ने आपदा प्रबंधन को नया आयाम दिया है। प्रो. सिंह ने बताया कि कोविड-19 पाठ्यक्रम के तहत कोरोना वायरस परिचय, कोरोना वायरस का इतिहास, विकास, कोरोना को भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक आयाम, कोविड-19 आपदा प्रबंध आदि तथ्य प्रमुखता से रखे जाएंगे।

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की ओर से संचालित किया जाएगा।

आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान 21.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.49 सूर्यास्त 06.51

लखनऊ, बरेली व मुरादाबाद से प्रकाशित

अमृत विचार

वर्ष 30, अंक 121, पृष्ठ 12, मूल्य : 2 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

अमेरिका: एक दिन में सामने आए संक्रमण के 26,800 नए मामले...11

लखनऊ, मंगलवार, 21 अप्रैल 2020
www.amritvichar.com

पेंटिंग के साथ खाना बनाना सीख रहीं निशानेबाज मोदगिल..12

यूपीआरटीओयू शुरू करेगा कोविड-19 पाठ्यक्रम

तीन माह का होगा सिलेबस, प्रोफेसर तैयारी में जुटे, कुलपति प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह ने दी जानकारी

अमृत विचार लखनऊ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी (यूपीआरटीओयू) कोविड—19 का पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। विश्वविद्यालय की ओर से पाठ्यक्रम तैयार किए जाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया गया कि विश्वव्यापी महामारी कोविड – 19 के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने की दृष्टि से कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किया जायेगा। अधिकारियों के मुताबिक आकस्मिक रूप से आयी विश्वव्यापी यह महामारी आपदा प्रबंधन की एक सर्वथा नए आयाम है। जिसके बारे में किसी को कोई कल्पना नहीं रही, परंतु अब इस आकस्मिक महामारी ने भविष्य में इस प्रकार की महामारियों के आपदकाल में पुष्ट प्रबंधन के लिए सभी को सोचने को बाध्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि चीन के वुहान प्रांत से शुरू हुई इस बीमारी ने अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखा है एवं संक्रमित लोगों तथा जान से हाथ धो रहे लोगों की संख्या रुकने का नाम नहीं ले रही है।

इस तरह का होगा पाठ्यक्रम

इस बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कोविड – 19 पाठ्यक्रम के अंतर्गत कोरोना वायरस परिचय, कोरोना वायरस का इतिहास, विकास, कोरोना का भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक आयाम तथा कोविद 19 आपदा प्रबंधन आदि तथ्य प्रमुखता से रखे जाएंगे। छात्रों के लिए इस संबंध में कक्षाएं भी शुरू की जाएंगी।

तीन माह होगी कोर्स की अवधि

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा संचालित किया जाएगा। इसकी अवधि 3 माह होगी। डॉ मिश्र ने बताया इसके लिए विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल को इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। डॉ मिश्र ने बताया कि इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह के कुशल निर्देशन में सीएए पर भी 3 महीने का जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया जा चुका है, जो कि पूरे देश में काफी लोकप्रिय हुआ।

विश्वविद्यालय में हमने कोविड—19 का पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए प्रोफेसरों की जिम्मेदारी भी सौंपी गयी है, वर्तमान स्थिति को देखते हुए भविष्य में फिर ऐसी समस्या से कैसे बचा जाये इस पर विचार करते हुए सिलेबस तैयार किया जा रहा है।

-प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह, कुलपति, यूपीआरटीओयू

वेबसाइट पर अपलोड होगा सिलेबस : कोविड—19 संक्रमण से जुड़ा पाठ्यक्रम तैयार होते ही इसे यूपीआरटीओयू की वेबसाइट पर अपलौड किया जायगा। छात्र इसका प्रिंट आउट लेकर पढ़ भी सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि पाठ्यक्रम तैयार होते ही इसकी अधिकारिक जानकारी भी दी जायेगी।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

Home › उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश लखनऊ

यूपीआरटीओयू पढ़ायेगा कोरोना जागरूकता का पाठ्यक्रम

Amrit Vichar - April 20, 2020 4 0

E-PAPER

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद
।। सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ।।

विश्वविद्यालय में हमने कोविड—19 का पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए प्रोफेसरों की जिम्मेदारी भी सौंपी गयी है, वर्तमान स्थिति को देखते हुए भविष्य में फिर ऐसी समस्या से कैसे बचा जाये इस पर विचार करते हुए सिलेबस तैयार किया जा रहा है।
– प्रो.कामेश्वरनाथ सिंह कुलपति यूपीआरटीओयू

अधिकारियों के मुताबिक आकस्मिक रूप से आयी विश्वव्यापी यह महामारी आपदा प्रबंधन की एक सर्वथा नए आयाम है। जिसके बारे में किसी को कोई कल्पना नहीं रही, परंतु अब इस आकस्मिक महामारी ने भविष्य में इस प्रकार की महामारियों के आपदकाल में पुष्ट प्रबंधन के लिए सभी को सोचने को बाध्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि चीन के वुहान प्रांत से शुरू हुई इस बीमारी ने अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखा है एवं संक्रमित लोगों तथा जान से हाथ धो रहे लोगों की संख्या रुकने का नाम नहीं ले रही है।

तीन माह की होगी अवधि

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा संचालित किया जाएगा। इसकी अवधि 3 माह होगी। डॉ मिश्र ने बताया इसके लिए विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल को इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। डॉ मिश्र ने बताया कि इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह के कुशल निर्देशन में सीएए पर भी 3 महीने का जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया जा चुका है, जो कि पूरे देश में काफी लोकप्रिय हुआ।

इस तरह का होगा पाठ्यक्रम

इस बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कोविड -19 पाठ्यक्रम के अंतर्गत कोरोना वायरस परिचय, कोरोंना वायरस का इतिहास, विकास, कोरोना का भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक आयाम तथा कोविद 19 आपदा प्रबंधन आदि तथ्य प्रमुखता से रखे जाएंगे। छात्रों को इस संबंध में कक्षाएं भी शुरू की जायेंगी।

STAR INDIA NEWS 24

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अब कोरोना पर जागरूकता पाठ्यक्रम

प्रयागराज 20 अप्रैल 2020

कुलदीप शुक्ला स्टार इंडिया न्यूज़ 24

अप्रत्याशित विश्वव्यापी महामारी कोविड – 19 के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने की दृष्टि से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम चलाया जाएगा। यह जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने दी। प्रोफ़ेसर सिंह ने बताया कि आकस्मिक रूप से आई विश्वव्यापी यह महामारी आपदा प्रबंधन की एक सर्वथा नए आयाम है। जिसके बारे में किसी को कोई कल्पना नहीं रही, परंतु अब इस आकस्मिक महामारी ने भविष्य में इस प्रकार की महामारियों के आपदकाल में पुष्ट प्रबंधन के लिए सभी को सोचने को बाध्य कर दिया है।

ज्ञातव्य है कि चीन के वुहान प्रांत से प्रारंभ इस बीमारी ने अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखा है एवं संक्रमित लोगों तथा काल कवलित हो रहे लोगों की संख्या रुकने का नाम नहीं ले रही है। इन देशों से अलग हटकर सूझबूझ एवं दूरदर्शिता का परिचय देते हुए भारत ने अभिनव प्रबंधन करके आपदा प्रबंधन को एक नया आयाम दिया है। कोविंद -19 पाठ्यक्रम के अंतर्गत कोरोना वायरस परिचय, कोरॉना वायरस का इतिहास, विकास, कोरोना का भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक आयाम तथा कोविद 19 आपदा प्रबंधन आदि तथ्य प्रमुखता से रखे जाएंगे। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा संचालित किया जाएगा। इसकी अवधि 3 माह होगी। डॉ मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह ने स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल को इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। डॉ मिश्र ने बताया कि इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह के कुशल निर्देशन में सी ए ए पर भी 3 महीने का जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया जा चुका है, जो कि पूरे देश में काफी लोकप्रिय हुआ।

ETV भारत उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh

ASSAMESE BENGALI ENGLISH GUJARATI HINDI KANNADA

सुर्खियां संक्षेप मेरी पसंद राज्य शहर भारत सितारा

कोरोना का असर: प्रयागराज के राजर्षि टंडन मुक्त विवि. में बीएड आवेदन की तारीख बढ़ी आगे

यूपी के प्रयागराज जिले स्थित राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड प्रवेश परीक्षा के आवेदन की तारीख आगे बढ़ा दी गई हैं. प्रवेश के लिए आवेदन और योग्यता से संबंधित पूरी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर उपलब्ध कराई गई है.

प्रयागराजः जिले में लॉकडाउन की वजह से राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा की आवेदन की तिथि आगे बढ़ा दी गई है. कोरोना की वजह से देश में लॉकडाउन की अवधि दूसरी बार 3 मई तक बढ़ाए जाने के कारण यह निर्णय लिया गया है.

इन तिथियों पर कर सकेंगे आवेदन

बीएड, बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा 2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण और शुल्क चालान प्राप्ति ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि अब 10 मई तक बढ़ा दी गई है. वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल से बढ़ाकर 15 मई कर दी गई है. इसके साथ ही ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि 10 मई से बढ़ाकर 20 मई कर दी गई है.

10 मई तक करें ऑनलाइन शुल्क जमा

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने अभ्यर्थियों को ऑनलाइन पंजीकरण कराने और शुल्क जमा करने में असुविधा होने के कारण प्रदेशभर के अभ्यर्थियों के आग्रह पर पूर्व निर्धारित तिथियों को पुनः विस्तारित करने की स्वीकृति प्रदान की. अब इन दोनों कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक प्रदेशभर के अभ्यर्थी 10 मई तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर सकते हैं. प्रवेश के लिए आवेदन और योग्यता से संबंधित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर उपलब्ध है. इसके साथ ही प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियों की जानकारी बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी.

उत्तर प्रदेश
Uttar Pradesh

ASSAMESE BENGALI ENGLISH GUJARATI HINDI KANNADA

सुर्खियां संक्षेप मेरी पसंद राज्य शहर भारत सितारा

प्रयागराजः राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कोरोना पर जागरूकता पाठ्यक्रम होगा शुरू

Published :2 hours ago(**Wednesday, April 22, 2020**)

> **उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है. इसकी जानकारी कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने दी.**

प्रयागराजः कोरोना वायरस के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम चलाया जाएगा. उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि इस वायरस के बारे में किसी ने को कोई कल्पना नहीं की थी. इस कोरोना वायरस जैसे महामारी से बचने के लिए जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा.

पाठ्यक्रम में होंगे कोविड-19 का परिचय

कुलपति ने जानकारी देते हुए बताया कि चीन के वुहान प्रांत से शुरू इस बीमारी ने अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखा है. बीमारी से संक्रमित लोगों और काल कवलित हो रहे लोगों की संख्या रुकने का नाम नहीं ले रही है. इन देशों से अलग हटकर सूझबूझ एवं दूरदर्शिता का परिचय देते हुए भारत ने अभिनव प्रबंधन करके आपदा प्रबंधन को एक नया आयाम दिया है. कोविड 19 पाठ्यक्रम के अंतर्गत कोरोना वायरस परिचय, कोरोना वायरस का इतिहास, विकास, कोरोना का भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक आयाम और कोविड 19 आपदा प्रबंधन आदि प्रमुखता से रखे जाएंगे.

तीन माह का होगा कोर्स

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा संचालित किया जाएगा. इसकी कोर्स की अवधि 3 माह होगी. डॉ. मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह ने स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल को इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है. डॉ मिश्र ने बताया कि इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह के कुशल निर्देशन में सीएए पर भी 3 महीने का जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया जा चुका है, जो कि पूरे देश में काफी लोकप्रिय हुआ.

अमर उजाला शहर चुनें

उत्तर प्रदेश › प्रयागराज अमरोहा अमेठी

Home › Uttar Pradesh › Prayagraj › Kovid-19 Will Be Studi

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में होगी कोविड-19 की पढ़ाई

न्यूज डेस्क, अमर उजाला, प्रयागराज Updated Mon, 20 Apr 2020 11:29 PM IST

उत्तर प्रदेश › प्रयागराज अमरोहा अमेठी

Prof. Kameshwar Nath Singh VC - फोटो : prayagraj

वैश्विक महामारी कोविड-19 के प्रति जन सामान्य को जागरूक करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम चलाया जाएगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने दी।

FREE ई-पेपर

कुलपति का कहना है कि चीन के वुहान प्रांत से फैली इस बीमारी ने अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखा है। संक्रमित लोगों और इससे मरने वालों की संख्या रुकने का नाम नहीं ले रही है। इन देशों से अलग हटकर सूझबूझ एवं दूरदर्शिता का परिचय देते हुए भारत ने आपदा प्रबंधन को नया आयाम दिया है। प्रो. सिंह ने बताया कि कोविड-19 पाठ्यक्रम के तहत कोरोना वायरस परिचय, कोरोना वायरस का इतिहास, विकास, कोरोना को भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक आयाम, कोविड-19 आपदा प्रबंध आदि तथ्य प्रमुखता से रखे जाएंगे।

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की ओर से संचालित किया जाएगा। इसकी अवधि तीन माह होगी। डॉ. मिश्र के अनुसार कुलपति ने स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल को इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सिंह के निर्देशन में सीएए पर भी तीन महीने का जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया जा चुका है।

RNI No.-UPHIN/2012/44803 हिन्दी दैनिक Email : harbaatftp @gmail.com
हर बात
आपके साथ
वर्ष : 09 अंक : 91 फतेहपुर, मंगलवार, 21 अप्रैल, 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अब कोरोना पर जागरूकता पाठ्यक्रम

हर बात संवाददाता

प्रयागराज।अप्रत्याशित विश्वव्यापी महामारी कोविड - 19 के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने की दृष्टि से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम चलाया जाएगा। यह जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने दी। प्रोफ़ेसर सिंह ने बताया कि आकस्मिक रूप से आई विश्वव्यापी यह महामारी आपदा प्रबंधन की एक सर्वथा नए आयाम है। जिसके बारे में किसी को कोई कल्पना नहीं रही, परंतु अब इस आकस्मिक महामारी ने भविष्य में इस प्रकार की महामारियों के आपदकाल में पुष्ट प्रबंधन के लिए सभी को सोचने को बाध्य कर दिया है।

ज्ञातव्य है कि चीन के वुहान प्रांत से प्रारंभ इस बीमारी ने अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखा है एवं संक्रमित लोगों तथा काल कवलित हो रहे लोगों की संख्या रुकने का नाम नहीं ले रही है। इन देशों से अलग हटकर सूझबूझ एवं दूरदर्शिता का परिचय देते हुए भारत ने अभिनव प्रबंधन करके आपदा प्रबंधन को एक नया आयाम दिया है। कोविंद -19 पाठ्यक्रम के अंतर्गत कोरोना वायरस परिचय, कोरॉना वायरस का इतिहास, विकास, कोरोना का भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक आयाम तथा कोविद 19 आपदा प्रबंधन आदि तथ्य प्रमुखता से रखे जाएंगे। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा संचालित किया जाएगा। इसकी अवधि 3 माह होगी। डॉ मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह ने स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल को इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

दैनिक सच्चाई की जंग
लोकमित्र
प्रतापगढ़,मंगलवार 21 अप्रैल 2020

मुविवि में कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज-अप्रत्याशित विश्वव्यापी महामारी कोविड-19 के प्रति जनसामान्य को जागरूक कारने की दृष्टि से उ0प्र0 राजर्षि टएडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम चलाया जायेगा। यह जानकारी उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने आज यहा दी। प्रो0 सिंह ने बताया कि आकस्मिक रूप से आई विश्वव्यापी यह महामारी आपदा प्रबन्धन की एक सर्वथा नई आयाम है, जिसके बारे में किसी को कोई कल्पना नहीं रही। परन्तु अब इस आकस्मिक महामारी ने भविष्य में इस प्रकार की महामारियों के आपद काल में पुष्ट प्रबन्धन के लिए सभी को सोचने को बाध्य कर दिया है। ज्ञातव्य है कि चीन के बुहान प्रान्त से प्रारम्भ यह बीमारी अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखी है एवं संक्रमित लोगों तथा काल कवलित हो रहे लोगों की संख्या रूकने का नाम नही ले रही है। इन देशों से अलग हटकर सूझबूझ एवं दूरदर्शिता का परिचय देते हुए भारत ने अभिनव प्रबन्धन करके आपदा प्रबन्धन को एक नया आयाम दिया है। कोविड-19 पाठ्यक्रम के अन्तर्गत कोरोना वायरस परिचय, कोरोना वायरस का इतिहास विकास, कोरोना का भौगोलिक, राजनैतिक आर्थिक आयाम तथा कोविड-19 आपदा प्रबन्धन आदि तथ्य प्रमुखता से रखे जायेंगे। कोविड-19 कोरोना जागरूकता कार्यक्रम का पाठ्यक्रम स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा संचालित होगा तथा इसकी अवधि तीन माह होगी।

Apr 21 Bihar ▼ Bhagalpur ▼ Page 1 ▼

मछली पार्टी मामले में बीडीओ-सीओ निलंबित 08 पालघर मामले में केंद्र ने महाराष्ट्र से रिपोर्ट मांगी 09

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

मुक्त विवि कोरोना पर शुरू करेगा जागरूकता कोर्स

प्रयागराज | मुख्य संवाददाता

कोरोना पर राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू करेगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि आकस्मिक रूप से आई इस विश्वव्यापी महामारी के लिए आपदा प्रबंधन के नए आयाम हैं। जिसके बारे में किसी को कोई कल्पना नहीं रही, परंतु अब इस आकस्मिक महामारी ने भविष्य में ऐसे आपदाकाल के लिए पुष्ट प्रबंधन के विषय पर सभी को सोचने के लिए बाध्य कर दिया है। इसे देखते हुए जागरूकता पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा। पाठ्यक्रम में कोरोना वायरस का परिचय, इतिहास, विकास, कोरोना का भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक आयाम तथा आपदा प्रबंधन आदि तथ्य प्रमुखता से रखे जाएंगे। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा की ओर से संचालित किया जाएगा। इसकी अवधि 3 माह होगी। कुलपति ने स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. गिरिजाशंकर शुक्ल को इसका पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। बकौल मीडिया प्रभारी इससे पूर्व मुक्त विवि की ओर से सीएए पर भी 3 महीने का जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया जा चुका है, जो कि काफी लोकप्रिय हुआ।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
प्रयागराज, : मंगलवार, 21 अप्रैल, 2020

मुविवि में कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। अप्रत्याशित विश्वव्यापी महामारी कोविड-19 के प्रति जनसामान्य को जागरूक कारने की दृष्टि से उ0प्र0 राजर्षि टएडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा कोरोना जागरूकता पाठ्यक्रम चलाया जायेगा। यह जानकारी उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने आज यहा दी। प्रो0 सिंह ने बताया कि आकस्मिक रूप से आई विश्वव्यापी यह महामारी आपदा प्रबन्धन की एक सर्वथा नई आयाम है, जिसके बारे मे किसी को कोई कल्पना नही रही। परन्तु अब इस आकस्मिक महामारी ने भविष्य मे इस प्रकार की महामारियो के आपद काल मे पुष्ट प्रबन्धन के लिए सभी को सोचने को बाध्य कर दिया है। ज्ञातव्य है कि चीन के बुहान प्रान्त से प्रारम्भ यह बीमारी अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशो मे कोहराम मचा रखी है एवं संक्रमित लोगो तथा काल कवलित हो रहे लोगो की संख्या रूकने का नाम नही ले रही है। इन देशो से अलग हटकर सूझबूझ एवं दूरदर्शिता का परिचय देते हुए भारत ने अभिनव प्रबन्धन करके आपदा प्रबन्धन को एक नया आयाम दिया है। कोविड-19 पाठ्यक्रम के अन्तर्गत कोरोना वायरस परिचय, कोरोना वायरस का इतिहास विकास, कोरोना का भौगोलिक, राजनैतिक आर्थिक आयाम तथा कोविड-19 आपदा प्रबन्धन आदि तथ्य प्रमुखता से रखे जायेंगे। कोविड-19 कोरोना जागरूकता कार्यक्रम का पाठ्यक्रम स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा संचालित होगा तथा इसकी अवधि तीन माह होगी।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

10 मई तक जमा होंगे असाइनमेंट

प्रयागराज। देशभर में कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) में मौजूदा सत्र की परीक्षाएं विलंब से शुरू होने के आसार हैं। छात्रों ने अभी तक असाइनमेंट नहीं जमा किया है। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल तय की गई थी लेकिन लॉकडाउन बढ़ाकर तीन मई कर दिया गया है। इससे अभी तक अधिकांश छात्र-छात्राएं असाइनमेंट नहीं जमा कर सके हैं। इसलिए असाइनमेंट जमा करने की तिथि बढ़ाकर 10 मई कर दिया गया है। प्रो. सिंह ने यह भी बताया कि इस साल विभिन्न पाठ्यक्रमों से तकरीबन पचास हजार छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे।

21.04.2020 Prayagraj

Prayagraj, Tuesday,
21 April 2020
PRAYAGRAJ EDITION
Within Prayagraj City- Price ₹ 2/-
Outside Prayagraj City- Price ₹ 3/-
Pages 8

दैनिक जागरण

www.inextlive.com
Published from PRAYAGRAJ • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Kanpur • Lucknow • Meerut • Patna • Ranchi • Varanasi

ओपन यूनिवर्सिटी कोविड-19 को बनाएगी 'कोर्स'

PRAYAGRAJ (20 April): महामारी कोविड-19 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी ने अपने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने का निर्णय लिया है. 15 मई से शुरू होने वाले नए सत्र से उत्तर प्रदेश के सभी अध्ययन केंद्रों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. तीन माह के जागरूकता पाठ्यक्रम को कई हिस्सों में बांटा गया है. कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि महामारी कोविड-19 के प्रति आम लोगों को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय ने नया पाठ्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है. मीडिया को जारी रिलीज में उन्होंने बताया कि आकस्मिक रूप से आई विश्वव्यापी महामारी आपदा प्रबंधन का नया आयाम है. चीन के वुहान से फैली यह बीमारी अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखा है. इसके बारे में लोगों को अधिक जानकारी देने के लिए इसे पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है. देशभर में लॉकडाउन के चलते इस प्रकरण को विद्वत परिषद और कार्य परिषद में भी नहीं ले जाया जा सका.

कोरोना से निपटने को आमजन का सहयोग आवश्यक : त्रिपाठी

कहा कि घर से बाहर न निकलें

फैजाबाद (अयोध्या)।

देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है। इससे निपटने के लिए आम लोगों से सहयोग की अपील करते हुए लॉकडाउन के नियमों का पालन सुनिश्चत कराये जाने पर जोर दिया गया है। केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा महामारी से बचने के लिए लाकडाउन को मात्र एक विकल्प बताया गया है। ऐसे में इस समय हम सबको सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने, मुख को मॉस्क से ढ़कने सहित अन्य एहतियात बरतने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

उक्त बातें राजर्षि टण्डनमुक्त विवि के क्षेत्रीय समन्वयक अयोध्या क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र डॉ. शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कही। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.एन. सिंह के निर्देश पर क्षेत्रीय केंद्र अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य और सभी छात्र-छात्राओं से अपील किया गया है कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लोग मोबाइल पर गूगल प्ले स्टोर से आरोग्य सेतु एप्लीकेशन को अवश्य डाउन लोड करें और उसके दिए हुए निर्देशों का पालन करें। श्री त्रिपाठी ने बताया कि अपने घर परिवार एवं आसपास के लोगों को भी कोरोना वायरस के प्रभावी नियंत्रण के लिए लागू लॉकडाउन के महत्व पर जागरूक रहना होगा। उन्होंने कहा कि जो लोग सक्षम हैं वे अपने क्षेत्रों के जरूरतमंदों की मदद अवश्य करें जिससे भूखे अभावग्रस्त व मजबूर लोगों का भला हो सके।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

22 अप्रैल, 2020

पृथ्वी दिवस के अवसर पर विशेष लेख

संविकास संदेश

प्रिय सुधी जन,

पृथ्वी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ।

आप सभी को विदित है कि हम सभी ने लगातार पृथ्वी दिवस को **'पृथ्वी पर्व'** के रूप में वर्ष 1993 से प्रतिवर्ष पर्यावरण एवं संविकास के विषय को लेकर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करते हुए रजत जयंती मना चुके हैं। विगत वर्ष पृथ्वी पर्व का आयोजन भूगोल कुम्भ के रूप में प्रयागराज में हम सभी ने दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार, गंगा संमग्र तथा उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सहयोग से मनाया था। मुझे खेद है कि इस वर्ष विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते पृथ्वी पर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयेजन नहीं कर पा रहे हैं। अब अगला आयोजन हरिद्वार में कुम्भ के अवसर पर आयोजित होगा। मेरा अटूट विश्वास है कि आपका सहयोग सदैव पूर्व की भाँति प्राप्त होता रहेगा। मैं आज के अवसर पर यही कहना चाहूँगा कि इस महामारी के दौरान घर पर रहें एवं सुरक्षित रहें।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

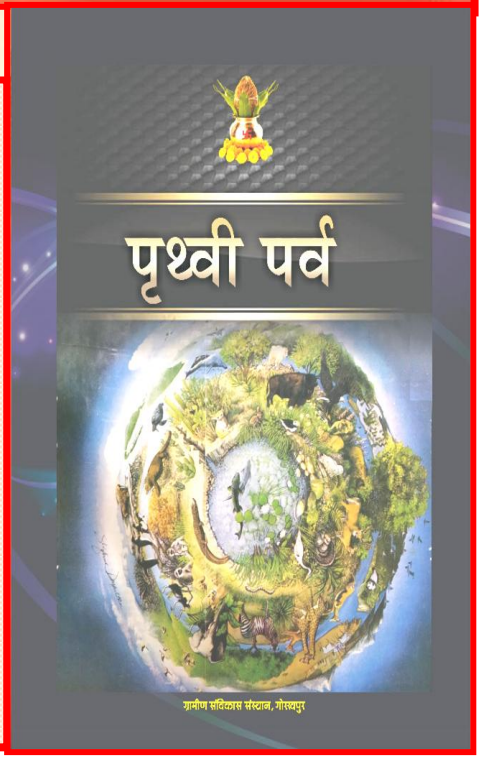

hindustantimes

UPRTOU's 3-MTH COURSE ON COVID-19

PRAYAGRAJ: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) has decided to introduce an awareness course on Covid-19 in the academic session beginning May 15. Vice-chancellor Kameshwar Nath Singh said it would be a three-month awareness course that will be offered by the university's school of health sciences. "The comprehensive course will cover not just the history of the virus and the pandemic caused by it, but also explore and explain its geographical, economical and political impact besides other related aspects," said Singh. The basic eligibility for admissions to this course that would be offered through the university 1000 study centres spread across the state would be Intermediate pass, the VC said. Recently UPORTOU had also introduced two three-month awareness courses on citizenship amendment act and Article 370. **HTC**

---

hindustantimes

UPRTOU to offer 3-month course on COVID-19

Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) has decided to introduce a dedicated awareness course on COVID-19 in the new academic session beginning May 15.

The basic eligibility for admissions to this course that would be offered through the university 1000 study centres spread across the state.

Updated: Apr 22, 2020 21:19 IST

By K Sandeep Kumar , Hindustan Times, Prayagraj

Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) has decided to introduce a dedicated awareness course on COVID-19 in the new academic session beginning May 15.

Vice chancellor Prof Kameshwar Nath Singh said it would be a three month awareness course that will be offered by the university's school of health sciences.

"The comprehensive course will cover not just the history of the virus and the pandemic caused by it but also explore and explain its geographical, economical and political impact besides other related aspects," said Singh.

"Even as the leading nations like US, Great Britain, Germany, Italy, France and Spain reel under the affect of the virus along with India, and global efforts are on to find a cure or a vaccine against it, the course would strive to make one aware of the different aspects of the virus and the disease that is known and being felt by the world," said Singh.

"The university offers many courses according to the need of the time and society as well as on contemporary issues. Among these courses are some for which students do not have to appear in exams. They are graded and certificates are awarded on the basis of evaluation of assignments. It's under this mode that we are introducing the courses on COVID-19," he said.

Insisting that COVID-19 had also put disaster management policies and preparations of the world to a test, Singh said, "This makes it all the more vital from academic point of view." In light of the fact that COVID-19 has also forced a lockdown in the country and the university was not in a position to convene a meeting its academic and executive council, the VC using his special powers as head of both the bodies sought a proposal for starting the course through an e-conference.

"The task of finalising the course curriculum has been entrusted upon the director of UPRTOU's school of health sciences Prof GS Shukla," he added.

The basic eligibility for admissions to this course that would be offered through the university 1000 study centres spread across the state would be Intermediate pass, the VC said. Recently UPORTOU had also introduced two three-month awareness courses on citizenship amendment act and Article 370.

इलाहाबाद बुधवार 22 अप्रैल 2020

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 13
अंक : 225

पृष्ठ- 4, मूल्य- एक रुपय

बुधवार 22 अप्रैल 2020

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में अब कोरोना पर जागरुकता पाठ्यक्रम

प्रयागराज। अप्रत्याशित विश्वव्यापी महामारी कोविड – 19 के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने की दृष्टि से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा कोरोना जागरुकता पाठ्यक्रम चलाया जाएगा। यह जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने दी।

प्रोफेसर सिंह ने बताया कि आकस्मिक रूप से आई विश्वव्यापी यह महामारी आपदा प्रबंधन की एक सर्वथा नए आयाम है। जिसके बारे में किसी को कोई कल्पना नहीं रही, परंतु अब इस आकस्मिक महामारी ने भविष्य में इस प्रकार की महामारियों के आपदकाल में पुष्ट प्रबंधन के लिए सभी को सोचने को बाध्य कर दिया है।

ज्ञातव्य है कि चीन के वुहान प्रांत से प्रारंभ इस बीमारी ने अमेरिका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों में कोहराम मचा रखा है एवं संक्रमित लोगों तथा काल कवलित हो रहे लोगों की संख्या रुकने का नाम नहीं ले रही है। इन देशों से अलग हटकर सूझबूझ एवं दूरदर्शिता का परिचय देते हुए भारत ने अभिनव प्रबंधन करके आपदा प्रबंधन को एक नया आयाम दिया है। कोविद –19 पाठ्यक्रम के अंतर्गत कोरोना वायरस परिचय, कोरोना वायरस का इतिहास, विकास, कोरोना का भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक आयाम तथा कोविद 19 आपदा प्रबंधन आदि तथ्य प्रमुखता से रखे जाएंगे। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा संचालित किया जाएगा। इसकी अवधि 3 माह होगी। डॉ मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सिंह ने स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल को इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। डॉ मिश्र ने बताया कि इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह के कुशल निर्देशन में सी ए ए पर भी 3 महीने का जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया जा चुका है, जो कि पूरे देश में काफी लोकप्रिय हुआ।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

28 अप्रैल, 2020

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कोरौना योद्धाओं को कुलपति ने गमछा देकर किया सम्मानित

गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ-साथ मास्क का विकल्प है: प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लाकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट करके कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ-साथ मास्क का विकल्प है। उन्होंने कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है।

इन्हीं के सहयोग से विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर को सैनिटाइज किया गया है तथा वहां पर लगातार साफ सफाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के सभी कक्षों को सैनिटाइज करने के साथ ही परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इन का भरपूर सहयोग प्रदान हो रहा है। यूं तो सभी शिक्षक अपना कार्य वर्क फ्रॉम होम के अंतर्गत संपादित कर रहे हैं किंतु विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय है। इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सैनिटाइजर और मास्क के अतिरिक्त उन्हें धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए आज गमछे प्रदान किए। इस गर्मी में गमछा जहां मास्क के उपयोग में लाया जा सकेगा वहीं वह उन्हें गर्मी से निजात भी दिलाएगा।

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा किए गए सम्मान एवं हौसला अफजाई करने के लिए कुलपति प्रोफेसर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय दैनिक समाचार पत्रों की दृष्टि में

जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
टूट गई उम्मीदें..., बढ़ गए अरमान...! -12
जनसंदेश टाइम्स
प्रयागराज/आस-पास 2

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को कुलपति ने गमछा देकर किया सम्मानित

नैनी। विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लाकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट करके कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ-साथ मास्क का विकल्प है। उन्होंने कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है। इन्हीं के सहयोग से विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर को सैनिटाइज किया गया है तथा वहां पर लगातार साफ सफाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के सभी कक्षों को सैनिटाइज करने के साथ ही परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इन का भरपूर सहयोग प्रदान हो रहा है। यूं तो सभी शिक्षक अपना कार्य वर्क फ्रॉम होम के अंतर्गत संपादित कर रहे हैं किंतु विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय है इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सैनिटाइजर और मास्क के अतिरिक्त उन्हें धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए आज गमछे प्रदान किए। इस गर्मी में गमछा जहां मास्क के उपयोग में लाया जा सकेगा वहीं वह उन्हें गर्मी से निजात भी दिलाएगा।

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा किए गए सम्मान एवं हौसला अफजाई करने के लिए कुलपति प्रोफेसर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

STAR INDIA NEWS 24

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कोरौना योद्धाओं को कुलपति ने गमछा देकर किया सम्मानित

प्रयागराज 28 अप्रैल 2020 कुलदीप शुक्ला स्टार इंडिया न्यूज़ 24

विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लाकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट करके कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ-साथ मास्क का विकल्प है। उन्होंने कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है।

इन्हीं के सहयोग से विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर को सैनिटाइज किया गया है तथा वहां पर लगातार साफ सफाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के सभी कक्षों को सैनिटाइज करने के साथ ही परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इन का भरपूर सहयोग प्रदान हो रहा है। यूं तो सभी शिक्षक अपना कार्य वर्क फ्रॉम होम के अंतर्गत संपादित कर रहे हैं किंतु विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय है।इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सैनिटाइजर और मास्क के अतिरिक्त उन्हें धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए आज गमछे प्रदान किए। इस गर्मी में गमछा जहां मास्क के उपयोग में लाया जा सकेगा वहीं वह उन्हें गर्मी से निजात भी दिलाएगा।

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा किए गए सम्मान एवं हौसला अफजाई करने के लिए कुलपति प्रोफेसर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

चीन अपनी किट को घटिया मानने के लिए तैयार नहीं पेज 13 | कोरोना से ब्राजील में आफत और न्यूजीलैंड में राहत पेज 14
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

नहीं टलेगा चुनाव
कोरोना के कहर के बीच अमेरिका में इस साल होने वाला राष्ट्रपति का चुनाव नहीं टलेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि तीन नवंबर अपनी तारीख है। पेज 14

बुधवार, 29 अप्रैल 2020, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com
कोरोना से लड़ाई | हिन्दुस्तान 05
प्रयागराज • बुधवार • 29 अप्रैल 2020

कोरोना योद्धाओं को गमछा देकर किया सम्मानित

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को कोरोना योद्धाओं को गमछा देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ-साथ मास्क का विकल्प भी है। कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अहम योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है।

अमर उजाला

महानगर
वर्ष 23 | अंक 314 |
पृष्ठ : 12
मूल्य : छह रुपये

जात-पात का भेद मिटाकर, रखें इतना याद

हर हाल में मिलकर देनी है कोरोना को मात

प्रयागराज
बुधवार, 29 अप्रैल 2020
amarujala.com

मुविवि में कोरोना योद्धाओं को सम्मानित करते कुलपति।

गमछा देकर कोरोना योद्धाओं को किया सम्मानित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से आवश्यक सेवाओं के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गमछा भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कोरोना योद्धाओं के जज्बे को सलाम करते हुए कहा है कि वे अपनी जान का जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है।

अमर उजाला
SELECT
प्रयागराज CITY

गमछा देकर कोरोना योद्धाओं को किया सम्मानित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से आवश्यक सेवाओं के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गमछा भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कोरोना योद्धाओं के जज्बे को सलाम करते हुए कहा है कि वे अपनी जान का जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं।

दैनिक जागरण
NEXT NATIONAL

कोरोना योद्धाओं का सम्मान

PRAYAGRAJ (28 April): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी की ओर से आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे यूनिवर्सिटी के कोराना योद्धाओं का मंगलवार को सम्मानित किया गया. इस मौके पर कुलपति प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह ने कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट किया. कहा कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ मास्क का भी विकल्प है.

विश्व आई न्यूज़
बरेली, मंगलवार, 28 अप्रैल 2020
विविध

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को कुलपति ने किया सम्मानित

प्रयागराज-विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लॉकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट करके कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ-साथ मास्क का विकल्प है। उन्होंने कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है। इन्हीं के सहयोग से विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर को सैनिटाइज किया गया है तथा वहां पर लगातार साफ सफाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के सभी कक्षों को सैनिटाइज करने के साथ ही परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इन का भरपूर सहयोग प्रदान हो रहा है। यूं तो सभी शिक्षक अपना कार्य वर्क फ्रॉम होम के अंतर्गत संपादित कर रहे हैं किंतु विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय है।इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सैनिटाइजर और मास्क के अतिरिक्त उन्हें धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए आज गमछे प्रदान किए। इस गर्मी में गमछा जहां मास्क के उपयोग में लाया जा सकेगा वहीं वह उन्हें गर्मी से निजात भी दिलाएगा।

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा किए गए सम्मान एवं हौसला अफजाई करने के लिए कुलपति प्रोफेसर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

विश्व आई न्यूज़ ब्यूरो

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in
Email: thewomenexpress@gmail.com
• वर्ष 8 • अंक 64 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली बुधवार 29 अप्रैल 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को कुलपति ने गमछा देकर किया सम्मानित

(विशेष संवाददाता)

प्रयागराज । विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लाकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट करके कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथसाथ मास्क का विकल्प है। उन्होंने कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है। इन्हीं के सहयोग से विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर को सैनिटाइज किया गया है तथा वहां पर

लगातार साफ सफाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के सभी कक्षों को सैनिटाइज करने के साथ ही परिसर को हराभरा बनाए रखने के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इन का भरपूर सहयोग प्रदान हो रहा है। यूं तो सभी शिक्षक अपना कार्य वर्क फ्रॉम होम के अंतर्गत संपादित कर रहे हैं किंतु विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय है।इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सैनिटाइजर और मास्क के अतिरिक्त उन्हें धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए आज गमछे प्रदान किए। इस गर्मी में गमछा जहां मास्क के उपयोग में लाया जा सकेगा वहीं वह उन्हें गर्मी से निजात भी दिलाएगा। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा किए गए सम्मान एवं हौसला अफजाई करने के लिए कुलपति प्रोफेसर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

आरोग्य सेतु ऐप हेतु छात्रों को करें प्रेरित

आजमगढ़। राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो .कामेश्वर नाथ सिंह ने क्षेत्रीय कार्यालय आजमगढ़ के अन्तर्गत आने वाले समस्त महाविद्यालय बलिया, मऊ, आजमगढ़ के समन्वयकों को से कोविड-19 महामारी के बचाव हेतु आरोग्य सेतु ऐप अपने मोबाइल में डाउनलोड करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इसके निदेशों का पालन करें। अपने-अपने महाविद्यालयों के छात्रों को पालन करने के लिए प्रेरित करें। दो गज की दूरी बनाये रखें तथा घर से बाहर न निकलें। परिवार, समाज, प्रदेश, राष्ट्रहित के लिए लोगों का भी ध्यान रखें, सजग रहें।

आनलाइन ड्राइंग प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखायी प्रतिभा

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र
स्वतंत्र चेतना
उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित
29 रजत जयंती वर्ष
प्रयागराज, वर्ष 29 अंक 232 बुधवार 29 अप्रैल, 2020 पृष्ठ 12 ₹4.00
www.swatantrachetnanews.com
गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

कोरोना योद्धाओं को कुलपति ने गमछा देकर किया सम्मानित

प्रयागराज। विश्व व्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लॉकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विवि के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंटकर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रो. सिंह ने कहा गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ-साथ मास्क का एक महत्वपूर्ण विकल्प है।

उन्होंने कोरोना योद्धाओं के जजबे की सराहना करते हुए कहा कि ये अपनी जान जोखिम में डालकर विवि की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विवि परिवार उनका ऋणि रहेगा। इन्हीं के सहयोग विवि के तीनों परिसरों गंगा यमुना सरस्वती को सेनेटाइज किया गया तथा लगातार साफ सफाई की जा रही है। विवि के सभी कक्षों को सेनेटाइज करने के साथ-साथ परिसर को हरा भरा बनाये रखने में इनका बहुत बड़ा योगदान है। विवि की आवश्यकताओं को सुचारू रूप से बनाये रखने के लिए इनका सहयोग प्राप्त हो रहा है। यों तो सभी शिक्षक अपना कार्य वर्क फ्राम होम के अन्तर्गत सम्पादित कर रहे है किन्तु विवि की व्यवस्था को सुचारू बनाये रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मर्णीय है। इसी क्रम के कुलपति प्रो. सिंह ने कोरोना योद्धाओं को सेनेटाइजर एवं मास्क के अतिरिक्त धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए गमछे भी प्रदान किये। गर्मी में गमछा जहां धूप से बचत करेगा वहीं मास्क के रूप में अच्छा कार्य करेगा। विवि के कर्मचारियों ने कुलपति प्रो. सिंह द्वारा कोरोना योद्धाओं के किये गये सम्मान एवं हौंसला अफजाई के लिए आभार जताया।

@gmail.com, vidhankesarinews@gmail.com www.vidhankesari.com
हिन्दी दैनिक
विधान केसरी
...खबर सिर्फ जनहित के लिए
लखनऊ संस्करण, बुधवार 29 अप्रैल 2020 (वर्ष-8 अंक 315), मूल्य:-2.00 रुपये पृष्ठ-17 रजि. न0:- UPHIN/2012/47972
DAVP से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

चीजों की कीमत मिलने से पहले होती है और इंसानों की कीमत खोने के बाद होती है।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को कुलपति ने गमछा देकर किया सम्मानित

प्रयागराज (विधान केसरी)। विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लाकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट करके कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ-साथ मास्क का विकल्प है। उन्होंनि कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है।

इन्हीं के सहयोग से विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर को सैनिटाइज किया गया है तथा वहां पर लगातार साफ सफाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के सभी कक्षों को सैनिटाइज करने के साथ ही परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इन का भरपूर सहयोग प्रदान हो रहा है। यूं तो सभी शिक्षक अपना कार्य वर्क फ्रॉम होम के अंतर्गत संपादित कर रहे हैं किंतु विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय है इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सैनिटाइजर और मास्क के अतिरिक्त उन्हें धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए गमछे प्रदान किए। इस गर्मी में गमछा जहां मास्क के उपयोग में लाया जा सकेगा वहीं वह उन्हें गर्मी से निजात भी दिलाएगा।

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा किए गए सम्मान एवं हौसला अफजाई करने के लिए कुलपति प्रोफेसर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

UP PLUS

For advertisement Please Contact Us: UP PLUS

Breaking News State News April 28, 2020

The Vice Chancellor of the Open University honored the Corona warriors by swapping*

Prayagraj – the Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh honored by offering a warm welcome to the corona warriors of the University, who were discharging their responsibilities for the essential services of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, in the lockdown announced by the regime in the wake of the worldwide corona epidemic. Professor Singh said that skins are a substitute for masks along with providing protection from sunlight. He praised the spirit of the Korana warriors and said that they are risking their lives and contributing to the service of the university. The university family is indebted to him for his service. With the help of these, the three campuses of the university Ganga, Yamuna and Saraswati campus have been sanitized and cleanliness is being done continuously there. Along with sanitizing all the rooms of the university, they have a huge contribution to keep the campus green. In order to maintain the essential services of the university, they are providing full support. While all the teachers are editing their work under Work from Home, but the contribution of the Corona warriors to keep the university system running smoothly is unforgettable. In this order Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh gave them sunlight in addition to sanitizer and mask. And to provide protection against heat, today provided the marquetry. In this summer, where the mask can be used, it will also relieve them from the heat. Media incharge Dr Prabhat Chandra Mishra informed University employees expressed their gratitude to Vice Chancellor Professor Singh for honoring and encouraging the Vice-Chancellor Professor Singh.

R.N.I. UPHIN/2012/52437

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या:- एल-2/9/डीडी0/एडी0/119/15/-17

वर्ष : 06 अंक : 211
प्रयागराज, बुधवार,
29, अप्रैल, 2020
पृष्ठ – 8
मूल्य : 1 रुपये

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी व मैनपुरी से प्रसारित

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को कुलपति ने गमछा देकर किया सम्मानित

विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लाकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट करके कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ–साथ मास्क का विकल्प है। उन्होंने कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है। इन्हीं के सहयोग से विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर को सैनिटाइज किया गया है तथा वहां पर लगातार साफ सफाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के सभी कक्षों को सैनिटाइज करने के साथ ही परिसर को हरा–भरा बनाए रखने के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इन का भरपूर सहयोग प्रदान हो रहा है। यूं तो सभी शिक्षक अपना कार्य वर्क फ्रॉम होम के अंतर्गत संपादित कर रहे हैं किंतु विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय है।इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सैनिटाइजर और मास्क के अतिरिक्त उन्हें धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए आज गमछे प्रदान किए। इस गर्मी में गमछा जहां मास्क के उपयोग में लाया जा सकेगा वहीं यह उन्हें गर्मी से निजात भी दिलाएगा।

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा किए गए सम्मान एवं हौसला अफजाई करने के लिए कुलपति प्रोफेसर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यूपीआरटीयू के कोरोना योद्धाओं को कुलपति ने किया सम्मानित

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लाकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट करके कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ-साथ मास्क का विकल्प है। उन्होंने कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है।

इन्हीं के सहयोग से विश्वविद्यालय के तीनो परिसरो गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर को सैनिटाइज किया गया है तथा वहां पर लगातार साफ सफाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के सभी कक्षो को सैनिटाइज करने के साथ ही परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की आवश्यक सेवाओ को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इन का भरपूर सहयोग प्रदान हो रहा है। यूं तो सभी शिक्षक अपना कार्य वर्क फ्रॉम होम के अंतर्गत संपादित कर रहे हैं किंतु विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय है।इसी क्रम मे कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सैनिटाइजर और मास्क के अतिरिक्त उन्हें धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए आज गमछे प्रदान किए। इस गर्मी मे गमछा जहां मास्क के उपयोग मे लाया जा सकेगा वही वह उन्हें गर्मी से निजात भी दिलाएगा। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा किए गए सम्मान एवं हौसला अफजाई करने के लिए कुलपति प्रोफेसर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। भड्डे पर मजदूरो मे मारपीट थाने पहुंचकर दी तहरीर महिला का सर फटा नवाबगंज थाना क्षेत्र के समही गांव स्थित एक भड्डे पर मंगलवार को दोपहर 12ः00 बजे भड्डे के मजदूर आपस मे किसी बात को लेकर भिड़ गए दोनो पक्षो मे मारपीट होने लगी जिसमे महिला का सर फटने के बाद उसके पति हरिश्चंद्र पुत्र फागुन निवासी सितौली थाना खागा जिला फतेहपुर ने थाने पहुंचकर लिखित शिकायते प्राप्त देते हुए भड्डे पर काम कर रहे मजदूर मुकेश कुमार एवं उसकी पुत्री उमा देवी तथा कल्पना देवी ने मिलकर मारा पीटा निवासी अजुहा थाना सैनी जिला कौशाम्बी के विरुद्ध मारपीट की तहरीर देकर जांच की मांग की पुलिस तहरीर लेकर मामले की जांच कर रही।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

वर्ष : 05 अंक : 128 प्रयागराज, बुधवार, 29 अप्रैल 2020 विक्रम संवत 2076 ई-मेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08 मूल्य : 1/- रूपया

हिन्दी दैनिक
दैनिक कर्मठ

कोरौना योद्वाओं को कुलपति ने गमछा देकर किया सम्मानित

प्रयागराज। विश्व्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लाकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट करके कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ-साथ मास्क का विकल्प है। उन्होंने कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है। इन्हीं के सहयोग से विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर को सैनिटाइज किया गया है तथा वहां पर लगातार सफ़ाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के सभी कक्षों को सैनिटाइज करने के साथ ही परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इन का भरपूर सहयोग प्रदान हो रहा है। यूं तो सभी शिक्षक अपना कार्य वर्क फ्रॉम होम के अंतर्गत संपादित कर रहे हैं किंतु विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय है।इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सैनिटाइजर और मास्क के अतिरिक्त उन्हें धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए आज गमछे प्रदान किए। इस गर्मी में गमछा जहां मास्क के उपयोग में लाया जा सकेगा वहीं वह उन्हें गर्मी से निजात भी दिलाएगा। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा किए गए सम्मान एवं हौसला अफजाई करने के लिए कुलपति प्रोफेसर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वतंत्र भारत

कोरोना योद्धाओं को कुलपति ने गमछा देकर किया सम्मानित

प्रयागराज। विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लाकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट करके कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ-साथ मास्क का विकल्प है। उन्होंने कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है।

इन्हीं के सहयोग से विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर को सैनिटाइज किया गया है तथा वहां पर लगातार साफ सफाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के सभी कक्षों को सैनिटाइज करने के साथ ही परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इन का भरपूर सहयोग प्रदान हो रहा है। यूं तो सभी शिक्षक अपना कार्य वर्क फ्राम होम के अंतर्गत संपादित कर रहे हैं किंतु विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय है। इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सैनिटाइजर और मास्क के अतिरिक्त उन्हें धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए आज गमछे प्रदान किए। इस गर्मी में गमछा जहां मास्क के उपयोग में लाया जा सकेगा वहीं वह उन्हें गर्मी से निजात भी दिलाएगा।

RNI No.-UPHIN/2012/44803
हिन्दी दैनिक
Email : harbaatftp@gmail.com
हर बात
आपके साथ
वर्ष : 09 अंक : 99 फतेहपुर, बुधवार, 29 अप्रैल, 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कोरौना योद्धाओं को कुलपति ने गमछा देकर किया सम्मानित

हर बात संवाददाता

प्रयागराज।विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लाकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट करके कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ-साथ मास्क का विकल्प है। उन्होंने कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे है। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है। इन्हीं के सहयोग से विश्वविद्यालय के तीनों परिसरो गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर को सैनिटाइज किया गया है तथा वहां पर लगातार साफ सफाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के सभी

कक्षों को सैनिटाइज करने के साथ ही परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इन का भरपूर सहयोग प्रदान हो रहा है। यूं तो सभी शिक्षक अपना कार्य वर्क फ्रॉम होम के अंतर्गत संपादित कर रहे हैं किंतु विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय है।इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सैनिटाइजर और मास्क के अतिरिक्त उन्हें धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए आज गमछे प्रदान किए। इस गर्मी में गमछा जहां मास्क के उपयोग में लाया जा सकेगा वहीं वह उन्हें गर्मी से निजात भी दिलाएगा। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा किए गए सम्मान एवं हौसला अफजाई करने के लिए कुलपति प्रोफेसर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

इलाहाबाद बुधवार 29 अप्रैल 2020

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 13
अंक : 232

पृष्ठ- 4, मूल्यः- एक रूपया

राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कोरौना योद्धाओं को कुलपति ने किया सम्मानित

प्रयागराज। विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते शासन द्वारा घोषित लाकडाउन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की आवश्यक सेवाओं के प्रति अपना दायित्व निर्वहन कर रहे विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं को गमछा भेंट करके कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कि गमछा धूप से सुरक्षा देने के साथ–साथ मास्क का विकल्प है। उन्होंने कोराना योद्धाओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा वे अपनी जान जोखिम में डालकर विश्वविद्यालय की सेवा में अपना योगदान कर रहे हैं। उनकी सेवा के लिए विश्वविद्यालय परिवार उनका ऋणी है।

इन्हीं के सहयोग से विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर को सैनिटाइज किया गया है तथा वहां पर लगातार साफ सफाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के सभी कक्षों को सैनिटाइज करने के साथ ही परिसर को हरा–भरा बनाए रखने के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इन का भरपूर सहयोग प्रदान हो रहा है। यूं तो सभी शिक्षक

अपना कार्य वर्क फ्रॉम होम के अंतर्गत संपादित कर रहे हैं किंतु विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं का योगदान अविस्मरणीय है।इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सैनिटाइजर और मास्क के अतिरिक्त उन्हें धूप एवं गर्मी से बचाव के लिए आज गमछे प्रदान किए। इस गर्मी में गमछा जहां मास्क के उपयोग में लाया जा सकेगा वहीं वह उन्हें गर्मी से निजात भी दिलाएगा।विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा किए गए सम्मान एवं हौसला अफजाई करने के लिए कुलपति प्रोफेसर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।